राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 26 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–246 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जोशीमठ के बाद नैनीताल में भूस्खलन से टेंशन, खतरे में आए मकानों पर लगे लाल निशान

नैनीताल। जोशीमठ के बाद अब नैनीताल में भूस्खलन ने लोगों की नीदें उड़ा दीं हैं। भूस्खलन के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने चार्टन लॉज क्षेत्र में 24 घरों पर लाल निशान लगाकर मकान खाली करवा दिए। अचानक हुई इस कार्रवाई से लोगों में गुस्सा है। कल तक अपने घरों में रह रहे लोग कुछ ही घंटों में आपदा प्रभावित बन गए। उनका आरोप है कि प्रशासन सुरक्षा कार्यों के बजाए लोगों के घर तोड़ने की योजना बना रहा है। इसलिए कई घरों को जबरदस्ती खतरे की जद में डाल दिया गया है। रविवार को अयारपाटा में रह रहे परिवारों को विकास प्राधिकरण व प्रशासन की ओर से नोटिस जारी कर दिए गए। जिसके बाद कुछ परिवारों को प्रशासन ने होटलों में रुकवाया है। जबकि कुछ परिवार अपने रिश्तेदारों के यहां शरण लेने चले गए हैं। इस कार्रवाई से लोगों में नाराजगी है। आरोप है कि प्रशासन ने यहां पर सुरक्षा उपाय नहीं किए हैं। अचानक से घरों पर लाल निशान लगाए जा रहे हैं। ऐसे में लोगों को आशंका है प्रशासन खतरा बताकर कई दूसरे घरों को तोड़ सकता है।

नैनीताल में खतरा बढ़ा 24 परिवारों ने घर छोड़े-नैनीताल के शनिवार को चार्टन लॉज क्षेत्र में एक दोमंजिला भवन के भरभराकर जमींदोज होने के बाद आसपास के इलाके में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। रविवार को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में दशकों से रह रहे 24 परिवारों ने गम और गुस्से के बीच अपने-अपने घरों को खाली कर दिया। वहीं, जिला प्रशासन और नैनीताल विकास प्राधिकरण ने भी इन सभी चिह्नित परिवारों को नोटिस थमाकर तीन दिन के भीतर अपना पूरा सामान घरों से हटाने को कह दिया है। क्षेत्र में दिनभर अफतरातफरी का माहौलबना रहा। नैनीताल में प्रकृति की चेतावनी को अनदेखा करना अब लोगों पर भारी पड़ने लगा है। शनिवार को चार्टनलॉज क्षेत्र में भूस्खलन से एक दोमंजिला भवन भरभरा कर गिर गया था। जिसकी चपेट में आने से तीन अन्य घर भी दब गए थे। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रशासन,विकास प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन की टीमों ने इलाके में सर्वे कर संवेदनशील घरों पर लाल निशान लगाने के साथ ही प्रभावितों को नोटिस दे दिए हैं।

महाराष्ट्र में फिर होगा उलटफेर ? अजित पवार ने ऐसा क्या कहा कि बीजेपी को देनी पड़ी सफाई

अजित पवार ने एक सभा के दौरान कहा कि उन्हें नहीं पता है कि वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी कब तक उनके पास रहेगी। इसके बाद तरह-तरह के कयास लगने लगे और भाजाप को सफाई देनी पड़ी।

मुंबई। महाराष्ट्र कि सियासत में उठापटक कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। एनसीपी में टूट के बाद एनडीए सरकार में शामिल हुए अजित पवार के एक बयान के बाद अटकलों का बाजार फिर गर्म हो गया है। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि उन्हें भी नहीं पता है कि वह वित्त मंत्री के पद पर कब तक रहेंगे। उन्होंने कहा, आज मेरे पास वित्त मंत्रालय है, इसलिए आपको योजनाओं को लाभ देना मेरा काम है। हालांकि यह जिम्मेदारी मेरे पास कब तक रहेगी इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। वह बारामती में शनिवार को अपने समर्थकों से बात कर रहे थे। अजित पवार के इस बयान के बाद महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी (अजित गुट) के बीच तालमेल नहीं बन पा रहा है। दूसरी तरफ अजित पवार बीते दो महीने में दो बार शरद पवार से मुलाकात कर चुके हैं। उनके गुट के अन्य नेता भी शरद गुट के विधायकों से मिलते रहते हैं।

अमित शाह के दौरान के समय भी नहीं थे अजित पवार

शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह मुंबई दौरे पर पहुंचे थे। वह लालबागचा राजा गणेश मंडप भी गए और उसके बाद मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक भी की। हालांकि इस दौरान अजित पवार उपस्थित नहीं थे। उनकी इस गैरमौजूदगी को लेकर भी कयास लगने शुरू हो गए हैं। हालांकि पवार ने कहा कि उन्होंने सीएम शिंदे को अपने शेड्यूल के बारे में पहले ही जानकारी दे दी थी।

पवार ने कहा, मैं कई वर्षों से बारामती का प्रतिनिधित्व कर रहा है। वहां हाउसिंग असोसिएशन, बारामती बैंक, बारामती मिल्क कोऑपरेटिव और बारमती मार्केट कमेटी की बैठक थी। साल में एक बार ही ये बैठकें होती हैं इसलिए छोड़ देना ठीक नहीं था। इस बारे में पहले से ही तैयारी हो गई थी और 15 दिन पहले ही शाह के कार्यालय को इसकी जानकारी दे दी गई थी। उन्होंने कहा, मैंने पहले ही बता दिया था कि अमित शाह के दौरे के समय मुंबई में नहीं रह पाऊंगा।

वहीं भाजपा के राज्य में अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने भी कयासों को खारिज करने का प्रयास किया और कहा कि अजित पवार का वित्त मंत्रालय वाला बयान एक सामान्य सी बात थी। भविष्य में क्या होना है, कोई नहीं जानता। उनका बयान राजनीतिक नहीं बल्कि नेचुरल था। इसको लेकर किसी तरह की अटकलों की जरूरत नहीं है।

राजस्थान के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के विकास के लिए उनकी सरकार को प्रतिबद्ध बताते हुए कहा है कि यहां हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन का जो संकल्प लिया है, उससे राज्य में चौतरफा विकास के द्वार खुलने वाले हैं।

श्री मोदी ने अपने राजस्थान दौरे से पहले सोशल मीडिया पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प को और मजबूती देने के लिए जयपुर में 'परिवर्तन संकल्प महासभा' में शामिल होने का उन्हें सुअवसर मिलेगा। मोदी जनसभा से पहले यहां धानक्या में स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक जाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। इससे पहले उन्होंने ट्वीट किया मां भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित रहे अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। उनकी जन्म-जयंती पर उन्हें मेरा सादर नमन।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रदेश में निकाली गई परिवर्तन संकल्प यात्रा के समापन पर आज अपराह्न में जयपुर के दादिया में आयोजित ''परिवर्तन संकल्प महासभा'' को संबोधित करेंगे। श्री मोदी के जयपुर पहुंचने पर महिला

आरक्षण बिल के पारित होने पर उत्साहित महिलाएं उन पर पुष्प वर्षा करके उनका जोरदार स्वागत करेंगी।

श्री मोदी जब दादिया में आयोजित जनसभा में पहुंचेंगे तो वह खुली जीप में जनसभा के बीच से होकर मंच पर जायेंगे। इस दौरान दोनों तरफ महिलाएं पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत करेंगी।

केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघालय के अनुसार श्री मोदी की जनसभा को लेकर बनाये गये सभी 42 ब्लॉकों की कमान महिलाओं को दी गई।

कांग्रेस के सामने नई मुश्किल!

अमेठी हारे राहुल गांधी की वायनाड सीट पर भी सीपीआई की नजरें

नई दिल्ली। INDI गठबंधन में सीट शेयरिंग पर अब तक कोई बड़ा ऐलान नहीं हो सका है। इसी बीच अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की केरल की वायनाड सीट भी पार्टियों के रडार पर आती नजर आ रही है। खबर है कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया यानी CPI की तरफ से राहुल को वायनाड सीट से चुनाव नहीं लड़ने का सुझाव दिया गया है। खास बात है कि यहां कांग्रेस और सीपीआई के बीच सीधा मुकाबला रहता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, वाम दल के नेता और राज्यसभा सांसद संदोश कुमार पी ने पार्टी की बैठक में यह सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि सीपीआई को कांग्रेस को कहना चाहिए कि वे राहुल को वायनाड सीट से उतारने के फैसले पर दोबारा विचार करें। रिपोर्ट के मुताबिक, कुमार का कहना है कि INDI गठबंधन के सदस्यों के तौर पर दलों को आपस के बजाए भारतीय जनता पार्टी से लड़ने की कोशिश करनी चाहिए।

खबर है कि इसे लेकर कांग्रेस का कहना है कि सीपीआई की तरफ से कोई दबाव नहीं है। साथ

ही वायनाड सीट पर फैसला बाद में लिया जाएगा। इधर, सीपीआई का कहना है कि पार्टी के फोरम में महज एक विचार पेश किया गया था और इसपर अब तक कोई आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है। विपक्षी गठबंधन की बैठकों का दौर जारी है, लेकिन अब तक सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो सका है।

कांग्रेस की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

कहा जा रहा है कि भले ही यह चर्चा सिर्फ सीपीआई में ही चल रही हो, लेकिन आने वाले समय में कई छोटे दल और क्षेत्रीय पार्टियां इस तरह की मांग सामने रख सकती हैं। खास बात है कि विपक्षी गठबंधन में सबसे बड़ा दल कांग्रेस ही है। बहरहाल, यह कहा जा रहा है कि पार्टियां मध्य प्रदेश, राजस्थान, मिजोरम, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के चुनाव के नतीजों को देखकर बड़ा फैसला ले सकती हैं।

अमेठी से लड़ते थे राहुल

उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट राहुल और गांधी परिवार का गढ़ रही है। यहां उन्होंने साल 2004 के बाद कई बार जीत दर्ज की। हालांकि, साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता को भाजपा की स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। तब राहुल ने अमेठी और वायनाड दोनों ही सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ा था।

महन सरिया और दिव्य दृष्टि ग्रुप के दरभंगा सहित पांच ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

दरभंगा। आयकर विभाग के अन्वेषण निदेशालय की टीम आज बिहार के दरभंगा एवं समस्तीपुर के दो व्यावसायिक घरानों के देश के पांच शहरों में स्थित अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि आयकर विभाग की टीम बिहार के महन सरिया ग्रुप एवं दिव्य दृष्टि ग्रुप के दरभंगा, समस्तीपुर सहित पुणे, गुवाहाटी और कोलकाता में छापामारी कर रही है। यह दोनों व्यावसायिक घराना पशु आहार एवं आटा मिल (फ्लोर मिल) के निर्माण एवं व्यवसाय से जुड़े हैं जिनकी फैक्ट्री एवं आवासों और कार्यालय सहित विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

दरभंगा के दोनार स्थित औद्योगिक क्षेत्र में एक टीम अशोक कैटल फीड (पशु आहार) में छापेमारी कर रही है जबकि इससे जुड़े समस्तीपुर, पुणे, गुवाहाटी एवं कोलकाता के विभिन्न ठिकानों पर भी अलग-अलग टीम छापेमारी कर रही है। उधर एक टीम कोलकाता में दिव्यदृष्टि पोल्ट्री पर छापेमारी कर रही है।

आयकर विभाग के निशाने पर दरभंगा के अशोक मंसरिया, आनंद मंसरिया और राज कुमार मंसारिया सहित समस्तीपुर के प्रकाश अनुपम शामिल हैं। सभी व्यवसायी पशु आहार के निर्माण और बिक्री के अलावा आटा मिल सहित पोल्ट्री व्यवसाय में शामिल हैं। छापेमारी दल में सौ से अधिक पदाधिकारी और कर्मी शामिल है।

इंडिया स्मार्ट सिटीज कॉन्क्लेव 2023 का आयोजन इंदौर में होगा 26-27 सितंबर को

इंदौर। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 26-27 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'इंडिया स्मार्ट सिटीज कॉन्क्लेव 2023' का आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्लेव में उन सभी 100 स्मार्ट शहरों की भागीदारी देखी जाएगी जो शहरी नवाचार में सबसे आगे रहकर शहर के विकास की प्रक्रिया में एक प्रतिमान परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. आरआर पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन देश में शहरी परिवर्तन के भविष्य के लिए रोडमैप को निश्चित करने में सहायता प्रदान करने के लिए एक मिशन के तहत किए गए अनुकरणीय कार्यों को प्रदर्शित करने के बारे में एक मंच प्रदान करेगा। डॉ. पटेल ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम में 27 सितंबर को इंडिया स्मार्ट सिटीज

पुरस्कार प्रतियोगिता (आईएसएसी) 2022 के चौथे संस्करण के विजेताओं को सम्मानित करेंगी। इस प्रतियोगिता का आयोजन केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 से स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत किया जा रहा है। यह मिशन के तहत शुरू की गई मुख्य गतिविधियों में से एक है, जिसमें अनुकरणीय प्रदर्शन को पुरस्कृत करने और सहकर्मियों को परस्पर सीखने में सक्षम बनाने एवं सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं का प्रसार करने के लिए अग्रणी शहरी रणनीतियों, परियोजनाओं और विचारों को मान्यता दी जाती है। इस कॉन्क्लेव में मप्र के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव, केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर और मप्र के शहरी विकास मंत्री भूपेन्द्र सिंह सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा मप्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, सभी 100 स्मार्ट शहरों के महापौर और आयुक्त, स्मार्ट सिटी मिशन से जुड़े उद्योग भागीदार, शिक्षाविद और नागरिक समाज संगठन भी इस आयोजन में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि यह 26 और 27 सितंबर 2023 को आयोजित किए जाने वाला दो दिवसीय कार्यक्रम है। इस कॉन्क्लेव के पहले दिन आईएसएसी 2022 के तहत पुरस्कार विजेता परियोजनाओं का प्रदर्शन करने वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा। स्मार्ट शहरों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ संवाद और इंदौर तथा उज्जैन में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कार्यान्वित प्रतिष्ठित परियोजनाओं का स्थल-दौरा भी आयोजित किया जाएगा।

कॉन्क्लेव के दूसरे दिन मुख्य अतिथि द्वारा आईएसएसी 2022 पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा जिसमें पांच राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों और 31 विशिष्ट शहरों और सात भागीदार संगठनों को पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

जड़ से उखाड़े जाएंगे खालिस्तानी, भारत सरकार बना रही ओसीआई अटैक का प्लान; संपत्ति पर भी है नजर

नई दिल्ली। कनाडा समेत कई देशों में सक्रिय खालिस्तानियों की कमर तोड़ने के लिए सरकार एक और कदम उठाने पर विचार कर रही है। इसके तहत गुरपतवंत सिंह पन्नू समेत सभी खालिस्तानियों की ओवरसीज सिटिजनशिप को समाप्त किया जा सकता है। गुरपतवंत सिंह पन्नू की भारत में मौजूद संपत्तियों को सरकार पहले ही जब्त कर चुकी है। अब इन लोगों की भारत में एंट्री पर ही बैन लगाने की तैयारी है। ऐसे लोगों को ओवरसीज सिटिजनशिप दी जाती है, जो किसी दूसरे देश में बस गए हों, लेकिन भारत में ही पैदा हुए हों या फिर यहां के नागरिक रह चुके हों।

ऐसे लोगों के लिए कभी भी स्वदेश आने पर रोक नहीं होती। लेकिन अब सरकार खालिस्तानियों के मामले में इस रियायत को खत्म करने पर विचार कर रही है। सूत्रों का कहना है कि सरकार ने एजेंसियों से कहा है कि वे खालिस्तानियों की भारत में मौजूद संपत्तियों का पता लगाएं। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में खालिस्तानी आतंकियों से जुड़ी कुछ और संपत्तियों को जब्त किया जा

सकता है। सूत्रों का कहना है कि अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया एवं ब्रिटेन में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो खालिस्तान समर्थक हैं या फिर उसके लिए सक्रिय हैं।

कनाडा में भारत के खिलाफ नया मोर्चा, MPs को धमकी; गुरुद्वारों से अपील

इन लोगों पर लगाम कसने के लिए सरकार ओवरसीज सिटिजनशिप ही खत्म करने जा रही है। इस बीच कनाडा के डिफेंस मिनिस्टर बिल ब्लेयर ने भारत को अहम देश बताते हुए कहा है कि हम साझेदारी को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच चलती रहेगी, लेकिन हम भारत के साथ साझेदारी कायम रखेंगे। बता दें कि कनाडा और भारत के बीच व्यापार, रक्षा समेत कई रिश्ते हैं। खासतौर पर लाखों लोगों की ऐसी संख्या कनाडा में है, जो भारतीय मूल के हैं। सिखों के अलावा बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग भी कनाडा में बसे हैं। ऐसे में इन लोगों का समर्थन हासिल करने के लिए भी कनाडा सरकार के लिए यह जरूरी है कि भारत से रिश्ते न बिगड़ें।

हरदीप निज्जर को 2019 में घोषित किया गया था आतंकवादी

बता दें कि भारत ने हरदीप सिंह निज्जर को 2019 में आतंकी घोषित कर दिया था। वह खुद को प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स का मुखिया बताता था। जून में उसकी कनाडा में एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या हो गई थी। इसके चलते दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया था। कनाडा ने इस मर्डर में भारतीय एजेंसियों का रोल बताया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ऐसे आरोप लगाना गलत है। वहीं भारत का कहना है कि कनाडा को अपने यहां सक्रिय खालिस्तानियों पर लगाम कसनी चाहिए, जो वहां बैठकर भारत विरोधी साजिश रच रहे हैं।

संपादकीय

भूकंप का खतरा

वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों का ताजा शोध बताता है कि हिमालय की तलहटी में धरती को चीर देने वाले भूकंप भी पहले आ चुके हैं। हरिद्वार के पास लालढांग में कम से कम दो बार वर्ष 1344 और 1505 में आठ से ज्यादा मैग्नीट्यूड के भूकंप आने के सबूत मिले हैं, जिनसे एक इलाके में जमीन 13 मीटर ऊपर उठ गई थी। लालढांग से लेकर रामनगर, टनकपुर और नेपाल तक जमीन पर करीब 200 किलोमीटर लंबी दरार पड़ गई थी। तब अनगिनत लोग और घर इस भूकंप की भेंट चढ़े होंगे। हरिद्वार से नेपाल तक धरती पर पड़ी दरार के कारण प्राकृतिक स्वरूप में, विशेषकर जलस्रोतों में बड़ा बदलाव हुआ होगा। क्या उस तरह के भयावह भूकंप भविष्य में भी आ सकते हैं? तब से अब तक करीब एक हजार साल में जनसंख्या काफी बढ़ चुकी है। पिछले सौ वर्ष में तो अंधाधुंध निर्माण हुए हैं। बहुमंजिला इमारतों का प्रचलन बढ़ा है। अब यदि 13वीं सदी जैसा शक्तिशाली भूकंप आया, तो स्वाभाविक रूप से जनहानि कई गुना अधिक होगी, त्रासदी का अनुमान लगाना भी कठिन है। क्या वैसी बड़ी आपदा का सामना करने के लिए हम तैयार हैं? भूकंप कब, कहां और कितनी तीव्रता का आएगा, इसके पूर्वानुमान की तकनीक अभी तक उपलब्ध नहीं है। भू-वैज्ञानिकों ने भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों की शिनाख्त अवश्य की है। भारत को चार जोन में बांटा गया है। सबसे कम खतरे वाला इलाका जोन- दो कहलाता है। इसमें दक्षिण भारत आता है। जोन- तीन में मध्य भारत को रखा गया है। जोन- चार तुलनात्मक रूप से ज्यादा खतरनाक है, जिसमें उत्तर प्रदेश का ज्यादातर क्षेत्र, उत्तराखंड का निचला हिस्सा और दिल्ली शामिल हैं। सबसे खतरनाक जोन- पांच में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड आते हैं। बीते सवा सौ साल के इतिहास पर नजर डालने से पता चलता है कि भारत में सबसे शक्तिशाली पांच में से चार भूकंप हिमालय या उसकी तलहटी से सटे राज्यों में आए। उत्तर भारत अत्यंत संवेदनशील है, पर पांचवां बड़ा विनाशकारी भूकंप गुजरात के भुज में आने का मतलब है कि देश का पश्चिमी इलाका भी खतरे की जद में है। लिहाजा पूरे देश को ध्यान में रखते हुए हमें योजनाएं बनानी होंगी। लोगों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर घरों का निर्माण हो रहा है। स्कूल, अस्पताल, पुल, फ्लाईओवर, सुरंग समेत अनेक परियोजनाएं निरंतर बन रही हैं। ऐसे में, 13वीं और 15वीं शताब्दी के भयावह भूकंप का वैज्ञानिक खुलासा जनता और सरकार, दोनों के लिए सबक होना चाहिए। सड़कों के निर्माण के लिए बेतरतीब तरीके से पहाड़ काटे जा रहे हैं। कई जगह उनमें सुरंगे भी बनाई जा रही हैं। पहाड़ों पर चार-पांच मंजिल तक निर्माण अब आम हो चुका है, पर उनमें भूकंपरोधी उपाय नहीं किए जा रहे हैं। प्राकृतिक आपदा के वक्त एक भवन गिरने का असर दूसरे पर और दूसरे का असर तीसरे पर आता है और एक के बाद एक मकान जमींदोज होते चले जाते हैं। इसी तरह, मैदानी इलाकों में बनाई जा रही गगनचुंबी इमारतें यदि भूकंपरोधी क्षमता वाली नहीं होंगी, तो बड़े भूकंप की स्थिति में त्रासदी भयानक साबित हो सकती है। इसलिए, लगातार भूकंप का सामना करने वाले जापान जैसे देशों से सीखा जा सकता है कि वहां जान-माल की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है। अगर सीखना नहीं है, तो फिर हमें खामियाजा भुगतने को तैयार रहना होगा।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

उत्तर कोरिया की निरंकुशता बढ़ाएंगे पुतिन!

पुष्परंजन

पुतिन और किम जोंग उन की ताज़ा मुलाक़ात वाली ख़बर से 80 साल के जो बाइडेन की भृकुटियां तन गई हैं। पुतिन उत्तर कोरिया जाएंगे, और अब यह देश रूसी सैन्य सहकार के मामले में परोक्ष नहीं, प्रत्यक्ष दिखेगा। किम कोई चार साल से व्हाइट हाउस की नज़रों से उपेक्षित चल रहे थे। उत्तर और दक्षिण कोरिया के मुहाने पर अवस्थित पनमुनजोम के फ्रीडम हाउस में ट्रंप और किम तीसरी बार 30 जून, 2019 को मिले थे। उससे पहले जून, 2018 में सिंगापुर, और फरवरी, 2019 में हनोई में ट्रंप और किम की मुलाक़ातें हुई थीं। उन तीन मुलाक़ातों में परमाणु मामलों से लेकर सीमा विवाद के हल के तमाम वादे हुए थे। किम को अमेरिका आने के वास्ते ट्रंप ने आमंत्रित किया था। कुर्सी गई, तो बात आई-गई हो गई। अब व्हाइट हाउस के रणनीतिकार अपनी चूक पर अफ़सोस प्रकट कर रहे हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों को वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम पर बुधवार को हुई इस हाई प्रोफाइल मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पुतिन ने एक सर्वोत्कृष्ट रूसी राइफल किम को थमाया, बदले में किम ने भी पुतिन को उत्तर कोरियाई राइफल उपहार स्वरूप भेंट में दी। राइफलों के आदान-प्रदान के हवाले से पूरी दुनिया को संदेश देना काफी है कि रूस और उत्तर कोरिया आने वाले समय में क्या करेंगे। रूस को ऐसे थर्ड कंट्री की ज़रूरत है, जहां से वह हथियार मंगाये, और यूक्रेन में उसका इस्तेमाल करे। उत्तर कोरिया के पास हथियारों का ज़खीरा पड़ा है। व्हाइट हाउस ने ललकारा, 'ऐसा हुआ, तो अंज़ाम भुगतने को तैयार रहें।' तत्काल तो यही लगता है कि उत्तर कोरिया को एक बार फिर प्रतिबंध भुगतने पड़ सकते हैं। दूसरा, पुतिन की तरह किम जोंग उन भी मोस्ट वांटेड युद्ध अपराधी घोषित कर दिये जाएं। लेकिन उत्तर कोरिया को यह सब करके क्या मिलना है? रक्षा मामलों के जानकार और ग्लोबल टाइम्स के एडिटर इन चीफ रह चुके हू शीचिन बताते हैं कि यह सारा क़िस्सा रॉकेट टेक्नोलॉजी के स्थानांतरण पर टिका हुआ है। उत्तर कोरिया को बैलेस्टिक मिसाइल प्राविधिक को समुन्नत करने के लिए सेटेलाइट टेक्नोलॉजी चाहिए, जो इस समय केवल रूस दे सकता है। दरअसल, विगत चार महीनों में उत्तर कोरिया ने सेना के वास्ते जो दो 'एरियल रिकॉनिसन्स राकेट टेस्ट' किये, वो फुस्स हो गये थे। इस विफल परीक्षण के आधार पर पेंटागन ने निष्कर्ष निकाल लिया था कि उत्तर कोरिया बैलेस्टिक मिसाइल तकनीक में अब भी 'मैच्योर' नहीं हो पाया है। लेकिन, इन चार महीनों में फ्योंगयांग और मास्को के बीच कूटनीतिक गठजोड़ की जो कोशिशें चल रही थीं, उससे अमेरिकी खुफिया तंत्र अनजान था। पुतिन ने ऐसा ट्रंप कार्ड खेला है, जो व्हाइट हाउस के लिए अप्रत्याशित था। मुलाक़ात की जगह भी बड़ा सिंबॉलिक है। रूसी सेटेलाइट लांचिंग सेंटर वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम पर उत्तर कोरिया के शासन प्रमुख से मिलने का मतलब यह है कि जो कुछ तकनीक किम को चाहिए, पुतिन उपलब्ध करायेंगे। इससे घबराहट दक्षिण कोरिया से लेकर हिंद-प्रशांत के उन तमाम देशों में भी है, जिन्हें हम अमेरिकी क्लब का सदस्य मानते हैं। एक प्रसिद्ध कहावत है कि 'नंग बड़ा या परमेश्वर?' अब अमेरिका चाहे इस पृथ्वी का परमेश्वर होने की ग़लतफहमी पाल ले, मगर किसी के मुंह लगने से कटता रहा है, तो वह देश है उत्तर कोरिया। बिल्कुल नंग-धड़ंग। उपग्रह प्रक्षेपित करने वाली 'सेटेलाइट लांच टेक्नोलॉजी' में जो देश आगे रहे हैं, उनके लिए बैलेस्टिक मिसाइल का निर्माण बाधा रहित माना जाता है। आइसीबीएम (इंटरकांटिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल) के निर्माण में जिस लांग रेंज प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है, उत्तर कोरियाई अंतरिक्ष विज्ञानी वही रूस से हासिल करना चाहते हैं। 10 हज़ार 300 किलोमीटर पर जो दूरी उत्तर कोरिया और अमेरिका की रही है, वह लंबे समय से चली नूराकुश्ती के लिए अब तक आसान थी। मगर, जिस दिन उत्तर कोरिया ने 11 हज़ार किलोमीटर तक भेदने वाली रूसी 'तोपोल-एम मिसाइल' तकनीक हासिल कर ली, अमेरिका की नींद उड़ा देने के लिए काफ़ी होगी। पुतिन का यही प्रयास है कि व्हाइट हाउस की नींद हर लो। तोपोल-एम मिसाइल तकनीक यदि फ्योंगयांग ने हासिल कर ली, तो समझिए कि अमेरिकी क्लब के तमाम देश उत्तर कोरिया की ज़द में होंगे। यह एक ख़तरनाक स्थिति को दावत देने जैसा है, जिसके जिम्मेदार कोई और नहीं, स्वयं पुतिन होंगे। पुतिन से किम जोंग उन की मुलाक़ात तय थी, लेकिन उसकी टाइमिंग जानबूझकर जी-20 की शिखर बैठक के बाद रखी गई। वाशिंगटन में रूसी राजदूत अनातोली अंतोनोव ने अमेरिकी घुड़की पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रतिबंध लगाते रहो, रूसी फोबिया जितनी बढ़ानी है बढ़ाओ, हमें फ़र्क़ नहीं पड़ेगा। एंबेसडर अनातोली ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'दरअसल, अमेरिका प्रतिबंध नामक अपने इस पुराने ट्रिक से ख़ुद ही हांफने लगा है।' ठीक से देखा जाए, तो यूक्रेन युद्ध, रोमन-पर्शियन वार की तरह 681 साल नहीं खिंचने वाला, यह आने वाले कुछ वर्षों में ही निर्णायक रूप ले लेगा। नवंबर, 2024 में अमेरिका में आम चुनाव हैं। जो बाइडन भी समझते हैं कि उन्होंने यूक्रेन जैसे मोर्चे को खोलकर जोखिम को दावत दे रखी है। पुतिन का किम जोंग उन की धरती पर बतौर राजकीय मेहमान जाना भी युगांतरकारी होगा। यूक्रेन युद्ध में विनाश के कारण अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने जब से उन्हें वार क्रिमिनल घोषित किया है, पुतिन ने देश से बाहर पांव नहीं रखा है। चार वर्षों में प्रेसिडेंट पुतिन की उत्तर कोरियाई सुप्रीम लीडर किम जोंग उन से दूसरी मुलाक़ात है। संयुक्त राष्ट्र ने पहले से प्रस्ताव दे रखा है कि डीपीआरके किसी भी सूरत में बैलेस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं करेगा। सुरक्षा परिषद में चीन के बाद रूस का साथ मिलने का मतलब है कि वीटो से दो देश उसकी रक्षा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति सुरक्षा परिषद के ज़रिये प्रतिबंध लगवाते हैं, निंदा प्रस्ताव पास होता है, मगर किम जोंग उन पर उसका कोई असर नहीं दिखता है। किम जोंग उन के दादा किम इल सुंग ने अपने पूरे समय 15 मिसाइलों का परीक्षण किया था। पिता किम योंग इल ने कुल जमा 15 प्रक्षेपास्त्र दागे थे, मगर किम जोंग उन अपने बाप-दादा का रिकार्ड ध्वस्त कर सितंबर, 2023 तक 164 मिसाइलों का परीक्षण करवा चुका है। उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन, पागल पीढ़ी का लेटेस्ट संस्करण है। दक्षिण कोरिया के वरिष्ठ खुफिया अधिकारी सियोंग ओक यो इसे केवल प्रोपेगंडा टूल मानते हैं। सोल स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ कोरियन स्टडीज़ के प्रोफेसर जोंग दाए शिन ने इसे 'डॉग इयर्ड स्ट्रेटेजी' कहा है। यानी, कुछ ऐसा कर गुज़रो कि कुत्ते के कान खड़े हो जाएं।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(26 सितम्बर)

पर्यावरणीय स्वास्थ्य सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक शाखा है। हमारा पर्यावरण हर दिन के हर पल में हमारे स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने में हमारी मदद कर रहा है। इसलिए, हमें अपने पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखना होगा। हमें उस स्थान पर एक स्वस्थ वातावरण बनाए रखना चाहिए जहां हम रहते हैं, जो चीजें हम खाते हैं और जिस दुनिया में हम बातचीत करते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य वह विज्ञान और अभ्यास है जो मानव चोट और बीमारी को रोकने में मदद करता है और पर्यावरणीय स्रोतों और खतरनाक एजेंटों की पहचान और मूल्यांकन करके और हवा, पानी, मिट्टी, भोजन और अन्य में खतरनाक भौतिक, रासायनिक और जैविक एजेंटों के जोखिम को सीमित करके बढ़ावा देता है। पर्यावरणीय मीडिया मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं।

हर साल 26 सितंबर को दुनिया भर में विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ ने वर्ष 2011 में इस दिन की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के लोगों की भलाई है।

इस दिन को मनाने के पीछे मुख्य विचार यह है कि मानव जाति का स्वास्थ्य पर्यावरण के स्वास्थ्य के साथ अपरिवर्तनीय रूप से जुड़ा हैं

यह आवश्यक है कि दुनिया यह समझे कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच अभिन्न संबंध है। इसलिए सभी समुदायों के करीब, स्वस्थ और हरित पुनर्प्राप्ति में निवेश करना महत्वपूर्ण है।

मानव जाति के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि वह पर्यावरण पर ध्यान दे और संतुलन बनाने का प्रयास करे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 से स्वस्थ रूप से उबरने के लिए घोषणापत्र लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य उस गति का लाभ उठाना है जिसका हम दुनिया भर में सामना कर रहे हैं।

वर्तमान स्थिति

पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2022 में 18.9 के मामूली स्कोर के साथ भारत 180 देशों की सूची में सबसे निचले स्थान पर था।भारत म्यांमार से 179वें, वियतनाम (178), बांग्लादेश (177) और पाकिस्तान (176) से पीछे है।

नगर वन उद्यान योजना:- इस योजना का लक्ष्य एक संपूर्ण स्वस्थ वातावरण को समायोजित करने के लिए नगर निगम या कक्षा 1 शहरों (200 से अधिक) वाले प्रत्येक शहर में कम से कम एक शहर वन विकसित करना है।

राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम (एनडब्ल्यूसीपी):- देश में आर्द्रभूमि के संरक्षण और उपयोग के लिए पहल शुरू की गई थी। हरित कौशल विकास कार्यक्रम:- पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रालय ने युवाओं के बीच पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल सिखाने के लिए जून 2017 में हरित कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया।

मिट्टी बचाओ आंदोलन :- विश्व पर्यावरण दिवस 2022 पर प्रधानमंत्री ने मिट्टी बचाओ आंदोलन की शुरुआत की। यह पहल पांच चीजों पर केंद्रित है मिट्टी को रसायन मुक्त बनाना, मिट्टी में रहने वाले जीवों को बचाना, मिट्टी की नमी बनाए रखना, पानी की उपलब्धता बढ़ाना और जंगलों की कमी के कारण मिट्टी के निरंतर कटाव को रोकना।

भारत ने 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने का लक्ष्य रखा है और 2070 तक उत्सर्जन में शुद्ध-शून्य होने का लक्ष्य रखा है।

पर्यावरण किसी की संपत्ति नहीं है जिसे नष्ट किया जा सके; इसकी सुरक्षा करना हर किसी की जिम्मेदारी है।

हमारे ग्रह को बचाना, लोगों को गरीबी से बाहर निकालना, आर्थिक विकास को आगे बढ़ाना... ये एक ही लड़ाई हैं। हमें जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, ऊर्जा की कमी, वैश्विक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण के बीच बिंदुओं को जोड़ना होगा। एक समस्या का समाधान सभी के लिए समाधान होना चाहिए।

अच्छा स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे हम खरीद सकें। हालाँकि, यह एक अत्यंत मूल्यवान बचत खाता हो सकता है।

विचार मंथन

उत्तराखंड के नैनीताल के 10000 घरों पर खतरा

(लेखक - सनत जैन)

उत्तराखंड में जोशीमठ के बाद अब नैनीताल में भयानक खतरा मंडरा रहा है। नैनीताल के खूबसूरत पहाड़ी की जमीन धसने लगी है। शनिवार को यहां पर पहाड़ी दरकने से चार मकान गिर कर जमीदोज हो गए। इसके बाद नैनीताल जिला प्रशासन हरकत में आया। जिला प्रशासन ने 250 से अधिक मकानों को खाली करवाया है। 10000 मकानों पर खतरा बताया जा रहा है। नैनीताल विकास प्राधिकरण ने जांच करने के बाद लगभग 250 घरों के गिरने की संभावना जताई है। लाल निशान लगाये जा रहे हैं। भूगर्भ वैज्ञानिकों के अनुसार नैनीताल में बसे 10000 परिवारों के ऊपर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। भूगर्भ वैज्ञानिकों का कहना है कि भौगोलिक संरचना अन्य पहाड़ियों की तुलना में नैनीताल की पहाड़ी अलग है। नैनीताल संवेदनशील पहाड़ी के रूप में बसा हुआ है। भूगर्भ वैज्ञानिकों के अनुसार जोशीमठ से भी बड़ा खतरा नैनीताल के पहाड़ में देखने को मिल रहा है। नैनीताल की पहाड़ी ऊपर बाई ओर सीधी खड़ी है। पहाड़ी के नीचे की जमीन भुरभुरी है। वैज्ञानिकों द्वारा पहले भी जिला प्रशासन और सरकार को चेतावनी दी थी। लेकिन जिला प्रशासन और सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। बैतहासा निर्माण होते रहे। पिछले 20 वर्षों में यहां पर हजारों निर्माण किए गए हैं। निर्माण के वजन से अब पहाड़ धसकने लगा है। 1989 से इस पहाड़ी पर अवैध निर्माण बड़ी तेजी के साथ हो रहा है। नैनी झील के बीचो-बीच फॉल्ट लाइन गुजरती है। समय के साथ नैनीताल की संवेदनशील पहाड़ियों पर निर्माण अधिक हो जाने से भू स्वखलन का बड़ा खतरा पैदा हो गया है। 1880 में यहां पर भूस्खलन की घटना हुई थी, जिसमें 151 लोग मारे गए थे। इसमें 143 अंग्रेज अधिकारी भी शामिल थे। उसके बाद से नैनीताल में निर्माण को प्रतिबंधित किया गया था। पिछले 30 सालों में इस पहाड़ी पर बड़ी तेजी के साथ निर्माण कार्य एवं विकास होना शुरू हुये। जिसके कारण नैनीताल के अस्तित्व पर बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है। समस्या अकेली नैनीताल या जोशीमठ की नहीं है। हिमालय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निर्माण पिछले वर्षों में कराए गए हैं। बड़े-बड़े बांध और कई बड़ी अन्य परियोजनाएं संचालित की जा रही है। जिसके कारण हिमालय का सम्पूर्ण पहाड़ी क्षेत्र नीचे से भुरभुरा हो गया है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-शिमला मैं भू स्वखलन की कई घटनाएं हुई हैं। अंग्रेजों के समय 1875 में भी स्वखलन हुआ था। शिमला से अंग्रेज़ सरकार ने उस समय हजारों लोगों को पुनर्वासित किया था। शिमला को अंग्रेजों ने 16000 लोगों को रहने के लिए उपयुक्त माना था। आज शिमला में 1.70 लाख लोग निवास कर रहे हैं। कई औद्योगिक निर्माण हुए हैं। कई परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। सड़कों और कई ऐसे निर्माण हो रहे हैं, जिसके कारण पहाड़ी मैं कई स्थानों में दरारें आ चुकी हैं। भुरभुरी पहाड़ी होने के कारण पूरे हिमालय क्षेत्र में भू स्वखलन की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। केंद्र सरकार ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। जो सबसे बड़ा चिंता का कारण है। पिछले दो दशक से भू वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं। सामा जिक कार्यकर्ताओं एवं धर्मगुरुओं द्वारा समय-समय पर विरोध किया गया। अनशन में जान भी चली गई। हिमालय की पहाड़ी में परियोजनाओं और बड़े-बड़े बांधों का विरोध किया गया था, लेकिन केंद्र एवं राज्य सरकारों ने इसके ऊपर कोई ध्यान नहीं दिया। पिछले 20 वर्षों में हिमालय की पहाडी क्षेत्र में बड़े-बड़े बांध बनाए गए हैं। रेल परियोजनायें शुरू की गई है। बड़ी-बड़ी सड़क परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। पहाड़ी क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन बढ़ाने के नाम पर बहुत सारे निर्माण कार्य हो रहे हैं। जिसके कारण

हिमालय के तराई की पहाड़ी पूरी तरीके से हिल चुकी है। पिछले दो वर्षों से भू स्वखलन की घटनाएं लगातार तेजी से बढ़ती ही जा रही हैं। जोशीमठ के बाद हिमाचल और अब नैनीताल मैं स्वखलन की जो घटनाएं हुई है। वह बड़े खतरे की ओर इशारा कर रही है।

विकास के नाम पर हिमाचल क्षेत्र में विनाश के लिये केन्द्र एवं राज्य सरकारें जिम्मेदार हैं।

सबसे सस्ती शराब गोवा और सबसे महंगी कर्नाटक में

नई दिल्ली । देश में सबसे सस्ती शराब गोवा में मिलती है, इस राज्य में शराब की जो बोतल 100 रुपए में मिलती है, उसकी कीमत पड़ोसी राज्य कर्नाटक में 513 रुपए है। देश में बड़े राज्यों में सबसे महंगी शराब कर्नाटक में मिलती है। वही बोतल आपको दिल्ली में 134 रुपये की, हरियाणा में 147 रुपये की, यूपी में 197 रुपये की राजस्थान में 213 रुपये की, महाराष्ट्र में 226 रुपये की और तेलंगाना में 246 रुपये की मिलेगी। इसकी वजह यह है कि अलग-अलग राज्यों में शराब पर लगने वाला टैक्स अलग-अलग है। कर्नाटक में यह सबसे ज्यादा 83 फीसदी है जबकि गोवा में 49 फीसदी है। दिल्ली में यह 62 फीसदी, हरियाणा में 47 फीसदी, यूपी में 66 फीसदी, राजस्थान में 69 फीसदी, महाराष्ट्र में 71 फीसदी और तेलंगाना में 68 फीसदी है। एक एनालिसिस के आधार पर यह कीमत सामने आई है। इस कीमत में आयात शुल्क को भी शामिल किया गया है जो सभी राज्यों में समान है। लंबे समय से विदेशी कंपनियां वाइन और स्पिरिट्स पर आयात शुल्क कम करने की मांग कर रही हैं। कई मामलों में यह 150 फीसदी तक है। ये कंपनियां यूके और यूरोपियन यूनियन के साथ चल रही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत में शराब पर आयात शुल्क में कमी चाहती हैं। लोकल टैक्स के कारण दिल्ली और मुंबई में स्कॉच की कीमत में 20 फीसदी तक का अंतर हो सकता है।

टेस्ला के ह्यूमनॉइड रोबोट ने किया योग, नमस्ते के साथ किया स्वागत

नई दिल्ली। एलन मस्क ने सोमवार को 'ऑप्टिमस' नामक टेस्ला ह्यूमनॉइड रोबोट का प्रदर्शन किया, जिसने अरबपति के फॉलोअर्स का 'नमस्ते' के साथ स्वागत किया और आराम से कुछ योग मुद्राएं कर सबको चकित कर दिया।अक्टूबर में 'टेस्ला एआई डे' 2022 के दौरान पहली बार प्रदर्शित, ऑप्टिमस को इस बार एक्स मालिक द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में सरल कार्य करते देखा गया है। ऑप्टिमस अब अपने हाथों और पैरों को स्वयं कैलिब्रेट करने में सक्षम है। केवल दृष्टि और संयुक्त स्थिति एनकोडर का उपयोग करके, रोबोट अंतरिक्ष में अपने अंगों का सटीक पता लगा सकता है यह अपने कार्यों को सुचारू रूप से सीखता है, जैसे रंगीन ब्लॉकों को छांटना और सुलझाना, और इसका तंत्रिका जाल केवल दृष्टि का उपयोग करके पूरी तरह से ऑन-बोर्ड चलता है। वीडियो में दिखाया गया है कि दिन भर लंबे समय तक काम करने के बाद रोबोट 'थोड़ी स्ट्रेचिंग करता है' और इसके अंत में नमस्ते करता है। रोबोट में वही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सॉफ्टवेयर और सेंसर हैं जो टेस्ला के उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली 'ऑटोपायलट' में मौजूद हैं। इसकी कीमत लगभग 20,000 डॉलर हो सकती है। ह्यूमनॉइड रोबोट 'लाखो' इकाइयों के औद्योगिक उत्पादन के लिए बनाया गया है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, रोबोट में 2.3 किलोवाट प्रति घंटे का बैटरी पैक है जो 'लगभग पूरे दिन के काम के लिए बिल्कुल उपयुक्त' है। यह टेस्ला चिप पर चलता है और इसमें वाई-फाई और एलटीई कनेक्टिविटी है। मानव जैसे हाथ एक 'जैविक रूप से प्रेरित डिजाइन' हैं जो रोबोट को कारखानों और अन्य सुविधाओं में विभिन्न आकृतियों और आकारों की वस्तुओं को उठाने के लिए उपयुक्त बनाएंगे। मस्क ने एआई दिवस कार्यक्रम में कहा था, 'जैसा कि हम जानते हैं, यह सभ्यता के लिए एक बुनियादी परिवर्तन होगा।' उन्होंने कहा कि रोबोट की कीमत 'संभवतः 20 हजार डॉलर से कम' हो सकती है। यह 20 पाउंड का बैग ले जाने, उपकरणों का उपयोग करने और छोटे रोबोटों के लिए सटीक पकड़ रखने में सक्षम होगा। यह वायरलेस कनेक्टिविटी के साथ-साथ ऑडियो सपोर्ट और हार्डवेयर लेवल सिक्योरिटी फीचर्स से भी लैस है।

वर्टेक्स हाइड्रोजन ब्रांड का नाम बदलकर ईईटी हाइड्रोजन करेगा

नई दिल्ली।

वर्टेक्स हाइड्रोजन ने घोषणा किया है कि वह अपने ब्रांड को ईईटी हाइड्रोजन में बदल रही है। उसका इरादा एस्सार ऑयल यूके (ईओयूके) की सहायक कंपनी से ईओयूके की एक सहयोगी कंपनी बनने और एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन (ईईटी) पोर्टफोलियो का एक स्टैंडअलोन स्तंभ बनने का है।यह परिवर्तन प्रारंभिक चरण के विचार से यूके में अग्रणी हाइड्रोजन उत्पादन परियोजना तक कंपनी के विकास में एक स्वाभाविक प्रगति है।ईईटी हाइड्रोजन 2030 तक लगभग 4 जीडब्ल्यू कम कार्बन हाइड्रोजन प्रदान करने की महत्वाकांक्षा के साथ विकास के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जो यूके सरकार के राष्ट्रीय लक्ष्य का लगभग 40 प्रतिशत है।यह हाइड्रोजन व्यवसायों को जीवाश्म ईंधन से कम कार्बन ऊर्जा पर स्विच करने, महत्वपूर्ण उद्योगों और नौकरियों को सुरक्षित करने और बढ़ाने के अलावा अरबों पाउंड के निवेश को अनलॉक करने में सक्षम बनाएगा। एस्सार ने जनवरी 2022 में प्रोग्रेसिव एनर्जी लिमिटेड (पीईएल) के साथ एक परिचालन सहायक कंपनी के रूप में वर्टेक्स हाइड्रोजन लिमिटेड (वीएचएल) की स्थापना की, जिसकी 90 प्रतिशत हिस्सेदारी ईओयूके के पास थी। वीएचएल विशेष रूप से ईओयूके की स्टैनलो साइट पर एचपीपी-1 और एचपीपी-2 कम कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र विकसित करने पर केंद्रित था।

ये संयंत्र पूरे उत्तर-पश्चिम में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और हाईनेट औद्योगिक डी-कार्बोनाइजेशन क्लस्टर के मध्य भाग के लिए उत्प्रेरक हैं। एचपीपी-1 और एचपीपी-2 का कुल आकार 1,350 मेगावाट तक है, एचपीपी-1 को यूके सरकार ने दो प्रारंभिक बड़े पैमाने पर कम कार्बन हाइड्रोजन परियोजनाओं में से एक के रूप में प्रगति के लिए चुना है।वीएचएल का प्रत्यक्ष स्वामित्व और एचपीपी-1 और एचपीपी-2 पर ध्यान केंद्रित है, लेकिन ईईटी हाइड्रोजन की ब्रांडिंग के तहत, जो अन्य हाइड्रोजन से संबंधित व्यवसायों को भी विकसित करेगा। ईईटी हाइड्रोजन के सीईओ जो सीफर्ट ने कहा, ÷हमने पिछले साल अपना हाइड्रोजन व्यवसाय शुरू करने के बाद से बड़ी प्रगति की है। स्वाभाविक रूप से अगला कदम ईईटी हाइड्रोजन के लिए एक स्टैंडअलोन व्यवसाय बनाना है। हम विशाल अवसरों को भुनाना चाहते हैं।

अगस्त में डीमैट खाते 26% बढ़कर 12.7 करोड़ हुए

नई दिल्लीः

शेयर बाजारों से आकर्षक रिटर्न और खाता खोलने की प्रक्रिया सुगम होने की वजह से अगस्त, 2023 में डीमैट खातों की संख्या सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 12.7 करोड़ हो गई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक विश्लेषण के अनुसार, जुलाई के 30 लाख की तुलना में अगस्त में नए खातों की संख्या मासिक आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़कर अगस्त में 31 लाख हो गई। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2023 के अंत में दो डिपॉजिटरी एनएसडीएल और सीडीएसएल के साथ कुल 12.7 करोड़ डीमैट खाते पंजीकृत थे, जबकि एक साल पहले यह संख्या 10.1 करोड़ थी। जुलाई के अंत में डीमैट खातों की संख्या 12.3 करोड़ थी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त के अंत में कुल 12.7 करोड़ में से 3.3 करोड़ और 9.35 करोड़ डीमैट खाते क्रमशः एनएसडीएल तथा सीडीएसएल के साथ पंजीकृत थे। सेबी के निर्देशों के अनुसार, सभी व्यक्तिगत डीमैट खाताधारकों तथा म्यूचुअल फंड निवेशकों के पास अपने उत्तराधिकारी को नामित करने या एक घोषणापत्र भरकर योजना से बाहर निकलने का विकल्प चुनने के लिए 30 सितंबर तक का समय है।

एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर का अनुमान घटाया

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष के लिए एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने विश्व अर्थव्यवस्था के धीमी होने, सामान्य से कम मानसून के बढ़ते जोखिम और दरों में बढ़ोतरी के लंबित प्रभाव का हवाला देते हुए भारत के वृद्धि अनुमान को छह प्रतिशत पर बरकरार रखा। हालांकि एजेंसी ने सब्जियों की कीमत में हालिया बढ़ोतरी को अस्थायी माना लेकिन उच्च वैश्विक तेल कीमतों पर पूर्ण राजकोषीय खुदरा मुद्रास्फीति अनुमान को पहले के पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। एसएंडपी ने इकोनॉमिक आउटलुक फॉर एशिया पैसिफिक क्वार्टर-4 2023 रिपोर्ट में कहा` कि इस साल वृद्धि दर 2022 की तुलना में कमजोर रहेगी, लेकिन हमारा दृष्टिकोण मोटे तौर पर अनुकूल बना हुआ है। जून तिमाही में भारत में मजबूत विस्तार के बावजूद, धीमी विश्व अर्थव्यवस्था, दरों में बढ़ोतरी के लंबित प्रभाव और असामान्य मानसून के बढ़ते जोखिम को देखते हुए हम वित्तीय वर्ष 2024 (मार्च 2024 को समाप्त) के लिए अपना अनुमान बरकरार रखते हैं। मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत बढ़ी थी। एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को छह प्रतिशत पर बरकरार रखते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 2024-25 और 2025-26 वित्तीय वर्षों में 6.9 प्रतिशत बढ़ेगी। जून तिमाही में भारत की उपभोग वृद्धि के साथ-साथ पूंजीगत व्यय भी मजबूत रहा। एशिया प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि पर एसएंडपी ने कहा कि यह एक मल्टी-स्पीड क्षेत्र बना हुआ है और घरेलू लचीलेपन के बीच 2023 के लिए अपने अनुमान को थोड़ा बढ़ाकर 3.9 प्रतिशत कर दिया।

चार दिन की गिरावट रुकी, सोमवार को सपाट बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स और निफ्टी में दिन भर रहा उतार-चढ़ाव

मुंबई ।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में चार दिन से जारी गिरावट पर ब्रेक लगा। दोनों इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त दर्ज हुई। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 15 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी सपाट रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 14.54 अंक की मामूली बढ़त के साथ 66,023.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,225.63 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 65,764.03 तक आया। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी सपाट रहा। इसमें केवल 0.30 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,674.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,734.15 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,601.55 तक आया।

सोमवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 15 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, कोटक बैंक, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा बजाज फाइनेंस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 4.45 फीसदी तक चढ़े। इसके अलावा आईसीआईसी बैंक,एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, मारुति, नेस्ले इंडिया, टाइटन,

एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड भी लाभ में रहे।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 15 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टीसीएस और सन फार्मा सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान इंफोसिस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.42 फीसदी तक गिर गए। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक,एसबीआई, रिलायंस, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, टेक मिहंद्रा, एचयूएल, आईटीसी और भारती एयरटेस नुकसान में रहे।

बिग बास्केट नाम से ऐड या ऑफर देखें तो हो जाएं सावधान...., सस्ते आटा-दाल के चक्कर में चुटकियों में बैंक अकाउंट हो जाएगा साफ

नई दिल्ली ।

इन दिनों सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर बिग बास्केट के नाम से साइबर ठग फेक वेबसाइट, लिंक बनाकर लोगों को शिकार बना रहे हैं। इससे जुड़ा एक बड़ा स्कैम दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट के पास आया है। जहां एक कारोबारी को ऑफर के नाम पर साइबर ठगी का शिकार बनाया गया। शिकायत की छानबीन की तो मालूम चला कि इसी तरह की लगभग एक दर्जन से ज्यादा कंप्लेंट पुलिस के पास पहुंची हैं। जिसमें पीड़ितों के अकाउंट से बैक टू बैंक पैसे निकल गए। आईएफएसओ ने इस संबंध में केस दर्ज किया है। एक टीम ठगी के नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक ठगी के शिकार पीड़ित का नाम परेश नाथ दत्ता है। परिवार के साथ रोहिणी में रहते हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि फेसबुक पर उन्हें बिग बास्केट का विज्ञापन दिखा। जिसमें कई ऑफर दिए गए थे। इसके बाद उन्होंने बिग बास्केट के उस लिंक को क्लिक किया। उसमें कुछ प्रोडक्ट सेलेक्ट करके जैसे ही अपने कार्ड का नंबर दर्ज किया। अचानक उनके पास बैक टू बैक ट्रांजेक्शन के तीन मेसेज आए। पीड़ित का आरोप है कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनके फोन का एक्सेस ले लिया। इसके बाद मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग के माध्यम से 73,636 रुपए की ट्रांजेक्शन कर ली। इस बाबत फोन पर उनके क्रेडिट कार्ड से रकम डेबिट होने के तीन मेसेज आए थे। इस संबंध में आईएफएसओ ने कंप्लेंट की जांच की तो पता चला कि इसी मॉडस ऑपरेंडी के तहत दिल्ली की ही लगभग 12 कंप्लेंट रजिस्टर्ड की गई हैं। जिसमें बिग-बास्केट का नाम यूज किया गया था।

पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अफसर का दावा है कि जल्द ही इस डुप्लीकेट लिंक स्कैम के आरोपी शिकंजे में होंगे।

लखनऊ जल्द बनेगा इलेक्ट्रिक वाहनों का हब, इस कंपनी से हुआ 1500 करोड़ का एमओयू!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हिंदुजा समूह के स्वामित्व वाली लेलैंड कंपनी से 1500 करोड़ रुपए का एक मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिन (एमओयू) हुआ है। कंपनी की ओर से दावा किया गया है कि इसे 18 महीने में लॉन्च किया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो नवाबों का शहर इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण का केंद्र बन सकता है। जानकर कहते है कि है अगर हिंदुजा का यह प्लांट लखनऊ में स्थापित हुआ तो भविष्य में नवाबों का यह शहर भी डेट्रॉयट की तरह मोटर सिटी के नाम से जाना जाएगा। इतना ही नहीं, हाल के वर्षों में गुजरात और दक्षिण भारत को छोड़कर उत्तर प्रदेश में किसी भी प्रमुख ऑटो कंपनी का यह पहला और सबसे बड़ा निवेश होगा। इससे पहले पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एंबेसडर और हरियाणा के मानेसर में मारुति सुजुकी ने इस सेक्टर में बड़ा निवेश किया था। फिलहाल कंपनी और सरकार का संबंधित विभाग इसके लिए जमीन की तलाश कर रहा है। अधिक संभावना यह है कि प्रस्तावित इकाई लखनऊ में बंद पड़ी स्कूटर्स इंडिया की खाली जमीन पर स्थापित की जाएगी।

ईईटी हाइड्रोजन ने अपने एचपीपी2 संयंत्र के लिए फ्रंट एंड इंजीनियरिंग एंड डिजाइन की शुरुआत की

नई दिल्लीः

ईईटी हाइड्रोजन ने घोषणा की है कि उसके एचपीपी2 प्रोजेक्ट ने फ्रंट एंड इंजीनियरिंग एंड डिजाइन (फीड) शुरू कर दिया है। 1,000 मेगावाट तक की क्षमता वाला यह संयंत्र यूके में सबसे बड़ा और दुनिया में सबसे बड़े संयंत्र में से एक है और स्थानीय औद्योगिक और बिजली उत्पादन ग्राहकों के लिए हर साल लगभग 230,000 टन लो कार्बन हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा। इससे पहले एचपीपी1 (350 मेगावाट क्षमता संयंत्र) था जिसने सितंबर 2021 में फीड पूरा किया और मार्च 2023 में सरकार द्वारा यूके में दो बड़े लो कार्बन हाइड्रोजन संयंत्रों में से एक के रूप में चुना गया।एचपीपी2 यूके के उत्तर-पश्चिम में बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए उत्प्रेरक है जो हाइड्रोजन का परिवहन और भंडारण करेगा और औद्योगिक और बिजली उत्पादन ग्राहक इस लो कार्बन ईंधन पर ईंधन स्विच करेंगे। यह दुनिया में पहली लो कार्बन रिफाइनिंग, ग्लास और रसायन विनिर्माण साइटें प्रदान करेगा।एचपीपी2, एचपीपी1 संयंत्र के पास ही होगा, और एक दूसरे से लाभान्वित होगा। यूके विनिर्माण क्षेत्र के कई प्रमुख नाम और साथ ही नए उभरते व्यवसाय इस परियोजना का समर्थन कर रहे हैं - उनमें से कुछ नीचे दिए गए हैंःटाटा केमिकल्स यूरोप के प्रबंध निदेशक मार्टिन एशक्रॉफ्ट ने टिप्पणी कीःहम अपनी विश्व स्तरीय सीएचपी सुविधा में उत्सर्जन को और कम करने के अवसर के रूप में ईईटी हाइड्रोजन और निम्न कार्बन हाइड्रोजन के समर्थक रहे हैं। ईओयूके के सीईओ दीपक माहेश्वरी ने कहाः ईईटी हाइड्रोजन व्यवसाय के लिए एक प्रमुख ग्राहक बनकर हमें खुशी हो रही है। हम कई क्षेत्रों में अग्रणी हाइड्रोजन उपयोग के मामलों को विकसित और कार्यान्वित कर रहे हैं और अपने संचालन और विनिर्माण प्रक्रियाओं को डीकार्बोनाइज कर रहे हैं। एनसर्क के प्रबंध निदेशक एड्रियन करी ने कहाः ईईटी हाइड्रोजन के साथ यह साझेदारी हमें ग्लास का फेस बदलने में मदद करेगी। हमारा लक्ष्य 2030 से नेट जीरो बोतलों का उत्पादन करना है। ग्लास एक शानदार चीज है और कई मायनों में टिकाऊ है।

यह लगभग 3500 ईसा पूर्व से मौजूद है, और इसे डीकार्बोनाइज करने के लिए हाइड्रोजन का उपयोग कर, हमारा मानना है कि यह आने वाली सदियों के लिए पैकेजिंग विकल्प होगा।

कानपुर में आनंद महिंद्रा के खिलाफ हुआ केस, एयरबैग न खुलने पर जान जाने का आरोप

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में रहने वाले एक व्यक्ति ने महिंद्रा कंपनी के मालिक आनंद महिंद्रा समेत 13 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने बिना एयरबैग लगी हुई गाड़ी बेच दी, जिससे उनके बेटे की मौत हो गई।कानपुर के जूही निवासी राजेश मिश्रा ने थाने में लिखाई गई एफआईआर में बताया कि साल 2020 में जरीब चौकी स्थित श्री तिरूपति आटो एजेंसी से 17 लाख रुपये की स्कार्पियो कार खरीदी थी। 14 जनवरी 2022 को उनका बेटा अपूर्व मिश्रा अपने दोस्तों के साथ लखनऊ से कानपुर आ रहा था। घने कोहरे के कारण उसकी गाड़ी डिवाइडर से टकरा कर पलट गई, जिसमें अपूर्व की मौके पर मौत हो गई।उन्होंने बताया कि घटना के बाद वह एजेंसी जाकर लोगों को इस बारे में अवगत कराया और बताया कि सीट बेल्ट लगाने के बावजूद कार के एयरबैग नहीं खुले जिस कारण उनके बेटे की मौत हो गई। इसके बाद उनकी एजेंसी के मैनेजर ने राजेश की बात कंपनी के निदेशकों से कराई। राजेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान एजेंसी के मैनजर व स्टाफ ने उनसे अभद्रता की। राजेश ने आरोप लगाया कि उन्होंने कार की टेक्निकल जांच कराई, जिसमें उन्हें कार में एयरबैग न होने की जानकारी मिली।राजेश ने मामले की शिकायत रायपुरवा थाने में की, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं की गई जिसके बाद राजेश ने कोर्ट की शरण ली।कोर्ट के आदेश के बाद रायपुरवा थाने में एजेंसी के मैनेजर, चंद्र प्रकाश गुरनानी, विक्रम सिंह मेहता, राजेश गणेश जेजुरिकर, अनीस दिलीप शाह, थोथला नारायनासामी, हैग्रेव खेतान, मुथैया मुरगप्पन मुथैया व आनंद गोपाल महिंद्रा समेत 13 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रायपुरवा थाने के प्रभारी अमान सिंह ने बताया कि महिंद्रा कंपनी के कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई।

ईडी ने चेन्नई में यूनिटेक ग्रुप की 125.06 करोड़ रुपये की जमीन कुर्क की

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने यूनिटेक समूह से जुड़े एक मामले में चेन्नई में नल्लांबक्कम स्थित टाउनशिप यूनिवर्ल्ड सिटी के कुछ हिस्सों में बनी 4.79 एकड़ भूमि में से 39.83 प्रतिशत हिस्सेदारी जब्त कर ली है। ईडी ने कहा, जब्त की गई जमीन की कीमत 125.06 करोड़ रुपये है। इस मामले में अब तक 7,612 करोड़ रुपये की अपराध आय का पता चला है।

उक्त भूमि का स्वामित्व यूनिटेक इन्फोपार्क लिमिटेड के पास है, जिसमें 39.83 प्रतिशत शेयर नार्निल इन्फोसोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (यूनिटेक समूह के प्रवर्तक चंद्रा परिवार की एक बेनामी कंपनी) के पास हैं।ईडी ने यूनिटेक ग्रुप, उसके प्रमोटरों और अन्य के खिलाफ घर खरीदारों की शिकायतों पर दिल्ली पुलिस और सीबीआई द्वारा दर्ज विभिन्न प्राथमिकियों के आधार पर पीएमएलए जांच शुरू की।ईडी की जांच से पता चला कि यूनिटेक के चंद्रा ने वर्ष 2009-10 में नार्निल इंफोसोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से यूनिटेक इंफोपार्क लिमिटेड में 1,50,87,114 अमेरिकी डॉलर (वर्तमान मूल्य 125.06 करोड़ रुपये) की अपराध आय का निवेश किया था, जिसमें उक्त कंपनी ने 39.83 प्रतिशत शेयर हासिल किए थे।ईडी ने कहा, जांच से पता चला कि नार्निल इंफोसोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड का स्वामित्व चंद्रा के पास है और इसे उनके सहयोगियों के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा था। जांच के दौरान, ईडी ने पांच व्यक्तियों संजय चंद्रा, अजय चंद्रा, रमेश चंद्रा, प्रीति चंद्रा और राजेश मलिक को गिरफ्तार किया था। अब तक, ईडी द्वारा दो अभियोजन शिकायतें दायर की गई हैं और पीएमएलए कोर्ट द्वारा इसका संज्ञान लिया गया है।

ईडी ने कहा, वर्तमान कुर्की सहित 17 अनंतिम कुर्की आदेशों के माध्यम से, 1,257.61 करोड़ रुपये की कुल कीमत वाली विभिन्न घरेलू और विदेशी संपत्तियां कुर्क की गई हैं। कुर्की में कानौस्टी ग्रुप, शिवालिक ग्रुप, ट्राइकर ग्रुप की संपत्ति और चंद्रा तथा अन्य की शेल, बेनामी और व्यक्तिगत कंपनियों की संपत्तियों शामिल हैं। इस मामले में अब तक 7,612 करोड़ रुपये की अपराध की कुल आय का पता चला है।

डाबर के प्रवर्तक बर्मन परिवार रेलिगेयर में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा

- बर्मन परिवार ने आरईएल में 2,116 करोड़ रुपए की खुली पेशकश की घोषणा की

नई दिल्ली ।

डाबर इंडिया के प्रवर्तक बर्मन परिवार से जुड़ी इकाइयों ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) में 26 फीसदी तक हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए कंपनी के शेयरधारकों के लिए 2,116 करोड़ रुपए की खुली पेशकश की सोमवार को घोषणा की। खुली पेशकश का मकसद परिवार की हिस्सेदारी बढ़ाने और आरईएल को अपने नियंत्रण में लेने का इरादा है। इससे वित्तीय सेवा कंपनी में परिवार की हिस्सेदारी वर्तमान में लगभग 21 से बढ़कर 51 फीसदी होने की उम्मीद है। आरईएल ने शेयर बाजार को बताया कि एमबी फिनमार्ट प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 1), पूरन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 2), वीआईसी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 3) और मिल्की इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी (अधिग्रहणकर्ता 4) ने कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से 235 रुपए प्रति यूनिट की कीमत पर कंपनी की विस्तारित वोटिंग शेयर पूंजी के 26 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले 10 रुपए के अंकित मूल्य के 90,042,541 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण के लिए खुली पेशकश की है। कंपनी ने कहा कि खुली पेशकश के लिए कुल नकद भुगतान 21,159,997,135 रुपए है।

एशियन गेम्स 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास, श्रीलंका को हराकर जीता गोल्ड मेडल

हांगझाऊ (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2023 में इतिहास रच दिया है। दरअसल, भारतीय टीम ने श्रीलंकाई टीम को 19 रन से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। वहीं 19वें एशियन गेम्स में भारत का आज के दिन ये दूसरा गोल्ड मेडल है। वहीं सोमवार को हांग्जो के पिंगफेंग कैम्पस क्रिकेट फील्ड में भारतीय टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी। जहां टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर महज 116 रन ही बना पाई। जबकि लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 117 रन के टारगेट को हासिल करने में नाकामयाब रही। जिसके बाद श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर सिर्फ 97 रन ही बना पाई।

श्रीलंका की तरफ से हसिनी परेरा ने (25) सबसे ज्यादा रन बनाए। नीलाक्षी डी सिल्वा 23 और ओशादी रणसिंघे ने 19 रन की पारी खेली। इन तीनों को छोड़कर अन्य श्रीलंकाई खिलाड़ी 15 का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। कप्तान चमारी अटापट्टू 12 और अनुष्का संजीवनी महज 1 रन ही बना पाई। इस दौरान भारत की युवा गेंदबाज तितास साधु ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 गेंदों में 3 विकेट झटक कर श्रीलंकाई टीम को मुश्किल में डालने का काम किया। वहीं राजेश्वरी गायकवाड़ ने दो विकेट चटकाए। दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर और देविका वैघ को एक-एक विकेट की सफलता मिली भारतीय पारी की बात करें तो, शेफाली वर्मा ने निराश किया। वहीं स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स की जोड़ी ने भारत की पारी को संभाला और दोनों के बीच अर्धशतीय पार्टनरशिप हुई। लेकिन उसके बाद मंधाना 46 रन बनाकर आउट हो गईं। वहीं ऋचा घोष 9, कप्तान हरमनप्रीत कौर 2 और पूजा वस्त्राकर 2 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, दूसरे छोर पर पारी को संभालने वाले जेमिमा रोड्रिग्स 42 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

मोटोजीपी रेस को युवराज व जॉन अब्राहम ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोटोजीपी फाइनल को बॉलीवुड और क्रिकेट जगत के सितारों ने चार चांद लगा दिए। जहां बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम, भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और वर्तमान वरिष्ठ भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन मोटोजीपी फाइनल के लिए पहुंचे। इस दौरान युवराज और जॉन अब्राहम ने मोटोजीपी रेस को झंडी दिखाई। जिनका वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि जॉन अब्राहम स्वयं मोटरबाइक्स के शौकीन हैं, उन्होंने देश में मोटोजीपी लाने के लिए इंडियन ऑयल ग्रैंड प्रिक्स ऑफ इंडिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उनकी बड़ी इच्छा भारतीय युवाओं को ट्रैक रेसिंग में भाग लेते देखना और अंततः मोटोजीपी में प्रतिस्पर्धा करते हुए देखना है। जॉन अब्राहम ने कहा कि मेरा सपना एक दिन एक अकादमी शुरू करने का होगा। मैं मोटोजीपी में एक भारतीय स्टार को देखना चाहता हूं।

वहीं क्रिकेट की दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी रहे युवराज सिंह मोटोजीपी फाइनल में उपस्थित होने वाले विशेषाधिकार प्राप्त लोगों में से एक थे। उन्होंने भारत के लिए कई मैच विजेता प्रदर्शनों के साथ अपनी सर्वोच्च प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपने हरफनमौला क्रिकेट कौशल से वैश्विक ख्याति हासिल की है। युवराज के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के धुरंधर ओपनर शिखर धवन भी मौजूद थे। क्रिकेट पिच पर अपनी आक्रामक शैली के लिए जाने जाने वाले धवन का मोटोजीपी की हाई-एड्रेनालाईन दुनिया की ओर झुकाव कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वह तेज कारों के प्रति अपने प्रेम के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने व्यापक ऑटोमोबाइल संग्रह की झलकियां साझा की हैं।

शिखर धवन ने कहा कि मोटोजीपी की गति और शक्ति वास्तव में रोमांचकारी है और मैं रेस देखने के लिए उत्साहित हूं। भारत खेल के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ रहा है और मोटोजीपी को भारत में आते देखना वाकई अच्छा है। युवराज और धवन को रेसर्स का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया जिससे क्रिकेट और मोटोजीपी प्रशंसकों दोनों के लिए एक असाधारण क्षण बन गया।

ओडीआई रैंकिंग में नंबर वन के करीब पहुंचे शुभमन गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ओपनर शुभमन गिल ओडीआई की रैंकिंग में नबर वन के करीब पहुंच गए हैं। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे मैच में शानदार शतक जड़ा। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर 200 रन की साझेदारी कर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। इसके साथ गिल आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन के नजदीक पहुंच गए हैं। इस समय पहले नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम हैं, जिनकी कुर्सी अब खतरे में दिखाई दे रही है। बता दें कि शुभमन गिल ने इंदौर वनडे में 97 गेंदों पर 6 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 104 रन की पारी खेली। आईसीसी वनडे रैंकिंग में बाबर आजम 857 रेटिंग अंकों के साथ पहले नंबर पर हैं जबकि गिल 814 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

अब गिल के पास वनडे वर्ल्ड कप से पहले रैंकिंग में नंबर वन पर आने का सुनहरा मौका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत होने से पहले उन्हें नंबर वन बनने के लिए 200 रनों की जरूरत थी। गिल ने मोहली में खेले गए पहले वनडे में 74 रन बनाए जबकि इंदौर वनडे में उन्होंने 104 रन की पारी खेली। गिल शुरुआती 2 वनडे में 178 रन बना चुके हैं। तीसरे वनडे में 22 रन बनाने के साथ ही गिल वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंच जाएंगे। बाबर आजम वर्ल्ड कप से पहले कोई सीरीज नहीं खेलेंगे। ऐसे में गिल नंबर वन के साथ वर्ल्ड कप में उतर सकते हैं। गिल ने इससे पहले एशिया कप में भी शानदार फॉर्म दिखाई थी।

3000 हजार से ज्यादा छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली टीम बनी भारत

–दूसरे नंबर पर 2953 से ज्यादा छक्के लगाने वाली वेस्टइंडीज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के मैदान पर पहले खेलकर भारतीय टीम ने शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर के शतकों की बदौलत 399 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया को 217 रन पर रोककर 99 रन (डकवर्थ लुईस नियम के तहत) से मैच भी जीत लिया। मैच में भारतीय टीम ने पहले खेलकर 18 छक्के लगाए और इसके साथ वनडे फॉर्मेट में 3 हजार छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी।

एक दिवसीय मैचों में सर्वाधिक छक्के लगाने वाली टीमें की बात करें तब सबसे पहले नंबर पर टीम इंडिया का नाम आता है। टीम ने 3007 से ज्यादा छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम किया हैं। वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज है, उनके नाम 2953 से ज्यादा छक्के हैं, पाकिस्तान 2566 से ज्यादा छक्के लगाए, ऑस्ट्रेलिया 2476 से ज्यादा छक्के लगाए, न्यूज़ीलैंड 2387 से ज्यादा, इंग्लैंड 2032 से ज्यादा, दक्षिण अफ्रीका 1947 से ज्यादा, श्रीलंका 1779 से ज्यादा, जिम्बाब्वे 1303 से ज्यादा, बांग्लादेश 959 से ज्यादा, अफगानिस्तान ने 671 छक्के लगाए, आयरलैंड 611 छक्के लगाए, स्कॉटलैंड 425 छक्के लगाए, यूएई ने 387 छक्के लगाए, नीदरलैंड ने 307 छक्के लगाए हैं।

भारत के लिए सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रोहित शर्मा ने छक्के लगाए हैं। रोहित ने अब तक 286 छक्के लगाए हैं, वहीं दूसरे स्थान पर 229 छक्कों के साथ महेंद्र सिंह धोनी हैं, तीसरे नंबर पर मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का नाम आता है, उन्होंने 195 छक्के लगाए हैं। वहीं सौरव गांगुली ने 190 छक्के लगाए, युवराज सिंह ने 155 छक्के लगाए,

विराट कोहली ने 141 छक्के लगाए, वीरेंद्र सहवाग ने 136 छक्के लगाए, सुरेश रैना ने 120 छक्के लगाए, 86 छक्के अजय जडेजा के नाम पर, 79 छक्के शिखर धवन से लगाए, 77 छक्के मोहम्मद अजहरुद्दीन, 67 छक्के पूर्व कप्तान कपिल देव और 66 छक्के हार्दिक पांड्या के नाम पर हैं।

बता दें कि टीम इंडिया की ओर से शुभमन गिल ने 4, श्रेयस अय्यर ने 3, कप्तान केएल राहुल ने 3, ईशान किशन ने 2 सूर्यकुमार यादव ने 6 छक्के लगाए। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने भी 9 छक्के लगाए। सीन एबॉट ने सबसे ज्यादा 5 छक्के लगाए। इसके अलावा जोश हेजलवुड ने 2 छक्के लगाए।

एशियन गेम्स में खाली हाथ लौटी पाकिस्तान की टीम, 70 रन भी नहीं बनाये

नई दिल्ली ।एशियन गेम्स 2023 में पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश से भी फिसड्डी साबित हुई है।पाक टीम यहां एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी, और खाली हाथ वापस लौटा आई है। पाक की महिला टीम को ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में बांग्लादेश जैसी कमजोर टीम के खिलाफ 5 विकेट से करारी हार मिली।चीन में खेले जा रहे गेम्स की बात करें, तो पाकिस्तान की टीम पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 64 रन ही बना सकी।यानी टीम 70 रन के आंकड़े को नहीं छू सकी।जवाब में बांग्लादेश की महिला टीम ने लक्ष्य को 18.2 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया।इस तरह से बांग्लादेश ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया।गोल्ड मेडल के मैच में भारत टीम का सामना आज श्रीलंका से होना है। गेम्स में 2010 और 2014 में भी क्रिकेट के मुकाबले खेले जा चुके हैं।ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।जवाब में पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही।टीम ने सिर्फ 18 रन पर 4 विकेट खो दिए।7वें नंबर उतरीं अलिया रियाज ने सबसे अधिक 17 रन बनाए।टीम की 7 खिलाड़ी दहाई के आंकड़े को नहीं छू सकीं।कप्तान निदा डार ने भी 14 रन बनाए।

शेन वॉटसन ने बताया इन दो टीमों के बीच होगा फाइनल

नई दिल्ली ।वनडे वर्ल्ड कप 2023 के 13वें एडिशन का आयोजन 5 अक्टूबर से भारत में होने जा रहा है।आईसीसी की इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दुनिया की बेस्ट 10 क्रिकेट टीमें भाग ले रही।क्रिकेट के जानकार और पूर्व दिग्गज खिलाड़ी अभी से भविष्यवाणी शुरू कर दी है कि किन दो टीमों के बीच वर्ल्डकप का फाइनल होगा।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने भी अपनी दो फाइनलिस्ट टीमों का नाम बता दिया है। शेन वॉटसन ने कहा कि मेजबान भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच फाइनल खेला जा सकता है। उन्होंने दोनों टीमों को खिताब का दावेदार बताया है।वॉटसन का कहना है कि बेशक कुछ समय पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम परेशानियों से जूझ रही थी लेकिन अब उसके सभी मुख्य खिलाड़ी लगभग पूरी तरह फिट होकर टीम में लौट चुके हैं। वॉटसन ने कहा कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में इन खिलाड़ियों को पता है कि किस तरह उन्हें खेलना है।

दूसरी ओर, वॉटसन ने कहा कि मेजबान होने के नाते भारत को हालात का बेहतर तरीके से पता है। टीम इंडिया को मेजबान होने का लाभ मिलेगा।भारतीय टीम की बैटिंग और बॉलिंग से हम सभी वाकिफ हैं जो इस समय काफी मजबूत नजर आ रही है।उन्होंने कुलदीप यादव को लेकर कहा कि हम सभी इस चाइनामैन स्पिनर के प्रदर्शन से अच्छी तरह वाकिफ हैं। कुलदीप ने हाल में एशिया कप में शानदार गेंदबाजी की थी।उन्हें बेहतर गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

वर्ल्ड कप 2023 के लिए टीम इंडिया का स्क्वॉड- रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या (उपकप्तान) , श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल और शार्दुल ठाकुर।

वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉड- पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, एडम जंपा और मिचेल स्टार्क।

भारत/ऑस्ट्रेलिया: तीसरे वनडे से पहले भारत को लगा झटका, स्टार ऑलराउंडर हुआ बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दो मैच अपने नाम कर लिए हैं। इसी के साथ ही भारत ने सीरीज में 2-0 से अजय बढ़त भी बना ली है। हालांकि तीसरे मैच से पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। स्टार भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही वनडे सीरीज के तीसरे मैच से बाहर कर दिया गया है।

अक्षर बाएं क्वाड्रिसेप्स स्ट्रेन से जूझ रहे हैं। उनकी रिकवरी समय पर नहीं होने के कारण, भारतीय टीम अक्षर की सेवाओं के बिना तीसरे वनडे के लिए राजकोट की यात्रा करेगी। विशेष रूप से 29 वर्षीय खिलाड़ी वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पुनर्वास में है। ऐसी उम्मीद है कि अक्षर आगामी वनडे विश्व कप अभ्यास मैचों के लिए समय पर वापसी कर सकते हैं और बाद में विश्व कप में भी भाग ले सकते हैं।

अगर उनकी चोट की समस्या बनी रहती है तो यह अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के लिए एक बड़ा रास्ता खोल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार फॉर्म में होने के कारण अश्विन अपने लिए एक मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं और विश्व कप टीम में प्रतिस्थापन के रूप में उनके शामिल होने की काफी संभावना हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर/कप्तान), इशान किशन,

सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर

रोहित और राहुल के लिए सूर्यकुमार चेतावनी बनकर उभरे : गौतम गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के दिग्गज गौतम गंभीर ने कहा है कि रोहित और राहुल के लिए विश्व कप में सूर्यकुमार एक चेतावनी बनकर उभरेंगे। सूर्यकुमार ने 590 दिनों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में श्रृंखला के शुरुआती मैच के दौरान एक अच्छा वनडे अर्धशतक जमाया। इस महत्वपूर्ण पारी ने न केवल प्रतिभाशाली बल्लेबाज के लिए पुनरुत्थान का संकेत दिया बल्कि एक प्रासंगिक सवाल भी उठाया है। कहा जा रहा है ?कि क्या यह अकेला प्रदर्शन उन्हें आगामी विश्व कप के लिए भारत की शुरुआती एकादश में जगह की गारंटी देता है? क्रिकेट जगत के दिग्गज गौतम गंभीर का मानना है कि इसकी

संभावना है, लेकिन इसके साथ ही कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के लिए चेतावनी भी जुड़ी है। गंभीर ने कहा कि अगर सूर्यकुमार यादव आपकी पहली प्लेइंग इलेवन में हैं तो मैं चाहूंगा कि वह 6-7 नंबर पर बल्लेबाजी करें, लेकिन बड़ा सवाल यह होगा कि नंबर 5 पर कौन बल्लेबाजी करेगा। हालांकि जडेजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, हार्दिक 6 नंबर पर और सूर्यकुमार फिनिशर के रूप में जहां वह अंतिम 15-20 ओवरों में बल्लेबाजी कर सकते हैं। यह रणनीति अपने जोखिमों और जटिलताओं से रहित नहीं है। उन्होंने कहा लेकिन यह तय करना एक बड़ा जुआ होगा कि आप जडेजा को नंबर 5 पर चाहते हैं और सूर्यकुमार को जिस फॉर्म में वह वनडे क्रिकेट में हैं, नंबर 7 पर चाहते हैं। इससे शीर्ष चार पर काफी जिम्मेदारी आ जाएगी।

एशियन गेम्स में भारत की रायफल टीम ने जीता पहला स्वर्ण पदक

हांग्झोऊ ।19वें एशियाई खेलों में भारत ने यहां अपना पहला स्वर्ण पदक जीत लिया है।यह उपलब्धि भारत ने 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार रुद्रांश पाटिल, दिव्यांश सिंह पंवार और ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर ने सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ गौरव हासिल किया।भारतीय तिकड़ी ने 1893.7 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जिसमें रुद्रांश पाटिल, जिन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता था, ने 632.5 अंक हासिल किए, पंवार ने 629.6 अंक का योगदान दिया और तोमर ने स्कोर में 631.6 अंक जोड़कर टीम प्रतियोगिता में कुल 1893.7 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।वहीं कोरिया गणराज्य ने 1890.1 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता और मेजबान चीन ने 1888.2 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।भारतीय जोड़ी ने इस साल अगस्त में बाकू में आईएसएसएफ विश्व कप में चीनियों द्वारा बनाए गए 1983.3 के विश्व रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 1893.7 के कुल स्कोर पर शानदार शॉट लगाया था।

खेल की स्थिति पर बात करें तो 10 शॉट के पहले राउंड की समाप्ति पर भारत 313.7 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर था, जबकि चीन 315.0 के साथ बढ़त बना ली थी। कोरिया ने 311.3 के स्कोर के साथ शुरुआत की, जापान और बांग्लादेश क्रमशः 313.1 और 313.3 के साथ उनसे आगे रहे।भारत ने दूसरे राउंड में 315.9 का स्कोर किया और फिर अगले तीन राउंड में 313.7, 315.9, 318.7 और 315.8 के स्कोर के साथ मजबूती से आगे बढ़ा और स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहा। रविवार को, रमिता थापर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था और मेहुली घोष और आशी चोकसी के साथ 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में रजत पदक हा ?सिल ?किया था।

नंबर 3 ही नहीं, किसी भी स्थान पर खेलने को तैयार हूं : श्रेयस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर वनडे में भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया पर जीत में श्रेयस अय्यर का बड़ा योगदान रहा। नंबर 3 पर विराट की जगह खेलने के लिए उतरने के सवाल पर श्रेयस ने कहा कि उन्हें बस खेलना और रन बनाना है, नंबर से कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि विराट कोहली महान खिलाड़ियों में से एक हैं, उनसे नंबर 3 स्थान छीनने की कोई संभावना नहीं है। बता दें कि श्रेयस ने तीसरे ओवर में ही विकेट गिर जाने के बाद क्रीज पर आकर बेखौफ क्रिकेट खेली और शतक लगाया। श्रेयस को शुभमन का भी साथ मिला। दोनों ने शतक तो केएल राहुल और सूर्यकुमार यादव ने अर्धशतक लगाकर टीम को 399 तक पहुंचाया जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 99 रन से मैच गंवा दिया। मैच में श्रेयस तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। श्रेयस के तीन नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए आंकड़े बेहद शानदार है। वह अब तक 11 पारियों में इस नंबर पर 58 की औसत से 642 रन बना चुके हैं।

इसलिए मैच के बाद जब एंकर ने उनसे 3 नंबर से विराट कोहली को हटाने बाबत पूछा तो श्रेयस ने मजेदार जवाब दिया। प्लेयर आफ द मैच बने श्रेयस अय्यर ने पहले अपनी पारी पर बात करते हुए कहा कि यह एक रोलरकोस्टर था। आज शानदार लग रहा है। मेरी टीम के साथी, दोस्त और परिवार मेरे समर्थन के लिए वहां मौजूद थे। वहीं, नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने बाबत श्रेयस ने कहा कि मैं लचीला हूं। किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हूं, चाहे मेरी टीम को कुछ भी करना पड़े। विराट कोहली महान खिलाड़ियों में से एक हैं, उनसे नंबर 3 स्थान छीनने की कोई संभावना नहीं है। मुझे बस स्कोर करते रहना है।

सबसे खूबसूरती महिला स्टार फुटबॉलर अलीशा हमेशा रहती हैं चर्चा में

लंदन ।फुटबॉल जगत में स्विट्जरलैंड की महिला स्टार फुटबॉलर अलीशा लेहमन्न अक्सर चर्चा में रहती हैं।वे कभी अपनी खूबसूरती से महफिल लूटती हैं, तब कभी अपनी निजी जिंदगी के चलते सुर्खियां में रहती हैं।सोशल मीडीया पर भी अलीशा की फैन फॉलोइंग बड़ी संख्या में है। रिपोर्ट के अनुसार अलीशा एक मिनट में करोड़ों की कमाई कर लेती हैं। अलीशा को फुटबॉल जगत में सबसे खूबसूरत महिला फुटबॉलर माना जाता है। इंस्टाग्राम पर अलीशा को 15 मिलियन से अधिक लोग फॉलो करते हैं। कई बार अलीशा अपने शानदार खेल ही नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। अलीशा ने महज 18 साल की उम्र में इंटरनेशनल टीम में डेब्यू किया था।उन्होंने साल 2017 में टीम के लिए डेब्यू कर 2018 में फिनलैंड के खिलाफ अपना पहला गोल दाग दिया था।इसके बाद ही वे चर्चा में आ चुकी थीं।

जीवन में थोड़ी-सी हंसी-खुशी, चुटीलापन और जिंदादिली लाने के लिए हम आये दिन अपनों से हल्का-फुल्का मजाक करते रहते हैं. इससे हमारे रिश्तों में प्यार और गहरा हो जाता है. पर हंसी-मजाक के इस सिलसिले में कई बार अनजाने में ही हमारा मजाक सामने वाले का दिल दुखा जाता है, जबकि हमारा उस तरफ न तो ध्यान होता है और न ऐसा इरादा..

महंगा न पड़ जाये हंसी-मजाक

हंसी-मजाक की आदत सिर्फ हमारे तनाव को ही दूर नहीं करती, बल्कि यह हमारे रिश्तों को भी खुशनुमा बनाये रखती है. हंसने-हंसाने की आदत के चलते रोशनी अपने परिवार में सबकी चहेती है. दोस्तों में भी सब उसे पसंद करते हैं. कोई पारिवारिक आयोजन हो या फिर दोस्तों की पार्टी, सभी जगहों पर रोशनी अपनी इस आदत से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेती है. सिर्फ रोशनी ही नहीं, बल्कि अकसर देखा जाता है कि लोग हंसने-हंसानेवाले व्यक्तियों से दोस्ती करना और उनके इर्द-गिर्द रहना पसंद करते हैं. मगर कई बार हंसी-मजाक के इस सिलसिले में हम उन दायरों को भुला बैठते हैं, जिन्हें पार करने पर मजाक को व्यंग्य बनते देर नहीं लगती. ऐसे में कई बार हम लोगों को खुश करने की बजाय अनजाने में किसी अपने के दिल को ठेस पहुंचा बैठते हैं. यदि आपको भी हंसने-हंसाने का शौक है, तो इस शौक से जुड़े कुछ दायरों को समझना न भूलें.

नजदीक आने का आसान तरीका

किसी अनजान की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाने और उससे अपनी दोस्ती को गहरा बनाने का सबसे आसान तरीका है, उसे अपनी बातों से हंसाना. बीए में पढ़नेवाली स्नेहा को अपनी सहेली अपराजिता से बातें करना काफी अच्छा लगता है. यूं तो स्नेहा की कॉलेज में और भी कई सहेलियां हैं, लेकिन अपराजिता का व्यवहार बाकी लड़कियों से अलग है. वह किसी की व्यक्तिगत बात को इधर से उधर करने की बजाय अपनी ही हंसने-हंसाने की दुनिया में रहना पसंद करती है. इस आदत के चलते कॉलेज के टीचर और अन्य छात्र भी उसको पसंद करते हैं.

दरअसल, हंसी दो लोगों के बीच एक सकारात्मक भावुकता पैदा करती है. इससे लोगों के बीच एक जुड़ाव पैदा होने लगता है. यदि कोई कहता है कि उसे किसी खास व्यक्ति के साथ रहना पसंद है, तो इसकी वजह यही होती है कि उस खास शख्स का साथ उसे हंसने-मुस्कुराने का मौका देता है. इसी तरह हंसने-हंसाने की आदत रिश्ते में नजदीकियां लाती है. मगर हंसी-मजाक के दौरान कई बार हम अपने मुंह से निकले शब्दों पर ध्यान नहीं देते और अनजाने में ही कुछ ऐसा बोल बैठते हैं जिससे मजाक को व्यंग में तब्दील होते देर नहीं लगती. और वह व्यंग्य सामनेवाले के दिल को ठेस पहुंचा कर रिश्तों में दूरियां पैदा होने का कारण बन जाता है.

छवि खराब कर सकती है यह आदत

रिश्तेदारों की शादी में शामिल होना अपनों के संग हंसी-मजाक करने का सबसे अच्छा बहाना होता है. इसी आदत के जरिये कुछ लोग नये माहौल में बड़ी आसानी से आपके दोस्त बन बैठते हैं, तो कुछ लोगों के मजाक आपका मूड खराब कर देते हैं. खास तौर से नयी-नयी शादी होने पर ससुराल का माहौल आपके लिए बिल्कुल नया होता है और वहां के लोगों के व्यवहार को भी आप नहीं जानतीं. ऐसे में ननद-देवर के मजाक जहां आपको हंसने-हंसाने के बहाने परिवार में घुलने-मिलने का मौका देते हैं, वहीं मर्यादा से बाहर जाकर किये गये मजाक न तो आपको पसंद आते हैं और न ही ऐसे मजाक करनेवाले व्यक्ति से ज्यादा बात करने का दिल करता है. न चाहते हुए बेतुके मजाक करनेवालों से दूर रहने और उनसे दूरी बरकरार रखने का मन करता है. पटना की नेत्र बताती हैं कि जब मैं शादी के बाद ससुराल आयी तो मेरे ननदोई जी अकसर मुझे अटपटे मजाक करके तंग करते.

मुझे उनके मजाक जरा भी अच्छे नहीं लगते. न जाने क्यों उनके प्रति मेरे मन में एक नकारात्मक छवि बन गयी और मैं उनसे दूर ही रहने लगी. शायद उन्हें भी इन बात का अंदाजा हो गया, इसीलिए उन्होंने मुझसे मजाक करना बंद कर दिया. अब भी मेरा उनसे ज्यादा बात करने का मन नहीं करता. न जाने क्यों उनके प्रति मन में एक नकारात्मक छवि बन गयी है. यही लगता है कि अगर मैंने उनसे ज्यादा बातें की तो वे फिर से सीमा से बाहर जाकर बेकार के मजाक करना शुरू कर देंगे.

मजाक में भी न सुनें गलत बात

दोस्तों की तरह ऑफिस के सहकर्मियों के बीच भी अकसर हंसने-हंसाने का सिलसिला कायम रहता है. मगर इस दौरान यदि कोई शख्स गलत बात बोल कर आपको हंसाने को कोशिश करे, तो उसकी गलत बातों पर हंस कर आप उसे बढ़ावा न दें. अपने अनुभवों के आधार पर दिल्ली की गौतमी कहती हैं कि मेरा एक कलीग ऑफिस आये दिन सबके सामने हंसते हुए यह कह देता कि गौतमी का क्या है ये तो फाइल के दो-चार पन्ने पलटती है और इसकी ड्यूटी पूरी हो जाती है. उसका यह मजाक एक बार तो मैंने सुन लिया, लेकिन जब वह अकसर इसी बात को दोहराने लगा, तो मु उस पर गुस्सा आने लगा. उसका मजाक भी लोगों को सच लगने लगा और बाकी लोगों ने भी मेरे काम का मजाक बनाना शुरू कर दिया. एक दिन सबसे साथ होने पर जब उसने अपनी इस हरकत को दोहराया तो मैंने उसे ऐसा करारा जवाब दिया कि सब के सब चुप हो गये. उसके बाद किसी ने मुझसे ऐसा मजाक नहीं किया. सच तो यह है कि कई बार हंसी-मजाक में बोले गये शब्द लोगों को सच लगने लगते हैं. ऐसे में सामनेवाले के गलत मजाक को रोकना काफी जरूरी हो जाता है.

इतना भी हल्का नहीं होता मजाक उड़ाना

मजाक, यह शब्द बोलने में जितना हल्का लगता है, असल में उतना हल्का होता नहीं. कई बार अनजाने में हंसी-मजाक में कहे शब्द किसी अपने के दिल को इतनी गहरी चोट पहुंचा देते हैं कि वह आपसे बात ही नहीं करना चाहता. जब हमें हकीकत मालूम होता है तो शर्मिंदगी महसूस होती है. इसलिए मजाक चाहे आप खुद कर रही हों या कोई आप से कर रहा हो, हमेशा जुबान पर संतुलन रखना चाहिए. अपनी हंसी-मजाक की आदत को बरकरार जरूर रखें, लेकिन किसी से मजाक करने से पहले उसकी भावनाओं को ध्यान में रखें और उसे पूरा सम्मान दें.

किसी का दिल दुखानेवाला मजाक न करें. मजाक ऐसा करें कि दूसरा इनसान अपने गमों को भुला कर दो पल खुशी के साथ जी सके. आप माहौल को खुशनुमा बनायेंगे, तो सब आपकी तारीफ करेंगे और आपको महफिल की जान समझेंगे. अच्छे मजाक लोगों को पास लाते हैं, जबकि व्यंग्य के लिए किये गये मजाक दूरी का कारण बनते हैं. कभी-कभी अपना ही मजाक बिना वजह बात का बतंगड़ बन जाता है. अतः मजाक हमेशा मर्यादा में रह कर ही करें.

खूब प्रचलन में है पार्लर एट होम

वैक्सिंग, ट्वीजिंग, थ्रेडिंग, फेशियल, ब्लीचिंग, मेनिक्योर, पेडिक्योर, हेयर कलरिंग, हेयर कटिंग और स्टाइलिंग, बॉडी पैक, हेयर रिमूवल... अरे बाप रे! आखिर क्या-क्या नहीं करना पड़ता महिलाओं को। आजकल तो महिलाओं को खूबसूरत बनाने के लिए कॉस्मेटिक इंडस्ट्रीज भी जी-जान से जुटी हैं। आप देख ही रही हैं कि हर रोज कोई न कोई थेरेपी या एक्सपेरिमेंट बाजार में छाए रहते हैं, ताकि महिलाओं को बुढ़ापा न छू पाए। और अगर बुढ़ापा है तो उसे किस तरह छुपाया जाए, मस्कारा या नेल पॉलिश कैसे बेहतर बनाई जाए, त्वचा और बालों की देखभाल किस तरह से हो वगैरह-वगैरह। फलों और फूलों वाली क्रीम और भी न जाने क्या-क्या चीजें बाजार में भरी पड़ी हैं।

तो देखा आपने इतना सारा तामझाम करना पड़ता है महिलाओं को। यहां सोचने वाली बात यह है कि नौकरीपेशा महिलाएं स्वयं के लिए किस तरह से मैनेज करती हैं यह सबकुछ। आखिर ऑफिस, घर, बच्चों की देखभाल के बीच खुद के लिए समय निकालकर ब्यूटी पॉर्लर में जाना काफी मशक्कत का काम होता है। ऐसे में अकसर कई महिलाएं तो ब्यूटी पॉर्लर का रुख ही भूल जाती हैं। लेकिन शायद आपको जानकर हैरानी होगी कि कुछ महिलाओं ने अब इसका तोड़ ढूंढ निकाला है। अब उन्हें अपने सारे कामों के बीच ब्यूटी पॉर्लर जाने के लिए खासतौर से समय नहीं निकालना पड़ता और वह घर बैठे ही बन जाती हैं खूबसूरत।

आखिर क्या है यह तरीका, जानना चाहेंगी? जरा ध्यान दीजिए- अब आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, अब आप ब्यूटीशियन को बुलाकर घर पर ही अपना ब्यूटी ट्रीटमेंट करवा सकती हैं। प्राइवेट फर्म में काम करने वाली प्रमिला बताती हैं कि, मैं पहले पूरी ट्रीटमेंट करवाने के लिए पॉर्लर जाती थी। मुझे पूरा एक दिन निकालना पड़ता था, जिसकी वजह से मैं कई दूसरे जरूरी काम नहीं कर पाती थी। फिर पॉर्लर में बैठे-बैठे मैं मोबाइल से फोन पर बात करके काम चलाती थी। इस तरह से निबटाए गए काम से मुझे कभी संतुष्टि नहीं हुई। लेकिन अब मैं महीने में एक बार संडे के दिन ब्यूटीशियन को घर पर ही बुलाती हूं और वह मेरी पूरी ट्रीटमेंट कर देती है। समय की बचत करने का यह सबसे आसान उपाय बन कर उभरा है। इस तरह से ब्यूटीशियंस को घर पर बुलाने में करीब 1000 रुपये से लेकर 4000 रुपये तक का खर्च आ सकता है। ट्रीटमेंट की राशि इस बात पर निर्भर करती है कि आप किस तरह की ट्रीटमेंट करवाएंगी।

एक दूसरे को हीनभावना से उबारें पति-पत्नी

कई बार महिलाएं समझ ही नहीं पाती हैं कि उनके पति हीनभावना से ग्रस्त हैं। इसके लिए उनके व्यवहार में आए बदलाव को नोट किया जा सकता है। यदि पति आफिस से आकर अपने कपड़े तथा जूते-मोजे इधर-उधर फेंक कर कमरा अस्त-व्यस्त कर दे तो समझ जाइए कि उन्हें आफिस में कोई परेशानी है।

पति-पत्नी गृहस्थी के दो पहिए हैं। एक-दूसरे के बिना गृहस्थी की गाड़ी नहीं चल सकती। ऐसे में आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी एक का हीनभावना से ग्रस्त हो जाना पूरे परिवार की गाड़ी में ब्रेक लगा देता है। हीनभावना का कारण चाहे कुछ भी हो परन्तु पति-पत्नी को एक-दूसरे की हीनभावना को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। कई बार महिलाएं समझ ही नहीं पाती हैं कि उनके पति हीनभावना से ग्रस्त हैं। इसके लिए उनके व्यवहार में आए बदलाव को नोट किया जा सकता है। यदि पति आफिस से आकर अपने कपड़े तथा जूते-मोजे इधर-उधर फेंक कर कमरा अस्त-व्यस्त कर दे तो समझ जाइए कि उन्हें आफिस में कोई परेशानी है। कई बार होता यह है कि आफिस में महिला बॉस आ जाए और वह सख्ती शुरू करे तो पुरुष उसे आसानी से सहन नहीं कर पाते। महिला बॉस की एक-दो डांट से ही पुरुषों के मन में हीनभावना पनपने लगती है।

कई बार पत्नी की खूबसूरती भी पति में हीनभावना पनपाने में सहायक होती है। हर कोई जब पत्नी की खूबसूरती की तारीफें करता रहे और पति को पूछे भी न और यह कहे कि तुह्मारी तो लाटरी खुल गई जो तुम जैसे को इतनी खूबसूरत पत्नी मिल गई। ऐसे में पति के मन में हीनभावना पनपना स्वाभाविक ही है। अपने पति को हीनभावना से निकालना आपका कर्तव्य है। पहले तो प्रयास करें कि ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपके गुणों के कारण नहीं बल्कि खूबसूरती के कारण आपकी तारीफ करते हैं। अपने पति को यह एहसास दिलाना जरूरी है कि आपकी नजरों में खूबसूरती से ज्यादा गुण महत्व रखते हैं और आप उन्हें इसीलिए चाहती हैं क्योंकि उनमें सब गुण मौजूद हैं। उन्हें बताइए कि आप उनके कुछ गुणों को अपनाना चाहती हैं।

पति की उदासीनता के कई कारण माने गए हैं पर सबसे बड़ा कारण अहं होता है। जब किसी आदमी के अहं को ठेस पहुंचती है तो वह या तो दुनिया से स्वयं को काट लेता है या दुनिया पर हावी हो जाने की कोशिश करता है। जो व्यक्ति हावी हो जाता है वह अपनी हीनभावना की कड़वाहट को प्रसिद्धि पाने के प्रयास में उपयोग कर लेता है और जो व्यक्ति स्वयं को दुनिया से अलग कर एक खोल में बंद हो जाता है उसका व्यक्तित्व ही समाप्त हो जाता है। कई बार पत्नी की शोहरत से ईर्ष्या कर के भी पति के मन में हीनभावना आ जाती है। पति के मन में यदि हीनभावना घर कर जाए तो वह आपको नजरअंदाज तो करेगा ही और बच्चों की तरफ भी ज्यादा नहीं झुकेगा। निश्चय ही वह अपने लिए बाहर कोई सहारा तलाश करेगा। यदि आप पत्नी होकर पति से अपने बर्थडे व अन्य खास बातें याद रखने को कहती हैं तो पत्नी होकर आपका भी दायित्व बनता है कि आप पति के साथ कदम से कदम मिला कर दांपत्य जीवन को सफल बनाएं न कि पति के हीनभावना से ग्रस्त होने पर उनका दामन छोड़ कर मायके न चली जाएं। पति-पत्नी दोनों के ही कुछ कर्तव्य होते हैं। जब आपको पति ने कुछ हक दिए हैं तो उसी के साथ आपके कुछ कर्तव्य भी हैं जिनका पालन करना आपके लिए बेहद जरूरी है। आपको चाहिए कि पति की हीनभावना दूर करने के लिए भरसक प्रयास करें।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तुर्की ने ऑपरेशन क्लॉ-लॉक में 605 आतंकवादियों को कराया सरेंडर

अंकारा ।तुर्की के सुरक्षा बलों ने इराक में ऑपरेशन क्लॉ-लॉक चलाकर अब तक 605 आतंकवादियों को निष्प्रभावी करने का दावा किया है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से रविवार को मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ऑपरेशन क्लॉ-लॉक में 605 आतंकवादियों को निष्प्रभावी कर दिया गया और आतंकवादियों की 670 गुफाओं और आश्रयों को नष्ट कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, तुर्की के अधिकारी अक्सर अपने बयानों में निष्प्रभावी शब्द का इस्तेमाल करते हैं, जिसका अर्थ है कि आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है या मारे गए हैं या पकड़े गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तुर्की सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन के हिस्से के रूप में कुल 1,343 हथियार और 7,06,650 गोला-बारूद भी जब्त किये। गौरतलब है कि तुर्की सरकार ने तुर्की सीमा के पास उत्तरी इराक क्षेत्र में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के खिलाफ लड़ने के लिए अप्रैल 2022 में ऑपरेशन क्लॉ-लॉक शुरू किया। तुर्की ने पीकेके को एक आतंकवादी समूह घोषित कर रखा है जिसे वह हमलों की एक श्रृंखला के लिए जिम्मेदार मानता है। उसका दावा है कि पीकेके ने तुर्की के खिलाफ 35 साल का आतंकवादी अभियान शुरू किया है। जिसके फलस्वरूप यह अभियान चलाया गया है।

वेस्ट बैंक में झड़प, दो फ़िलिस्तीनी की मौत, एक इज़रायली सैनिक घायल

- इजरायली सैनिकों ने तुल्कर्म में नूर शम्स शरणार्थी शिविर पर किया हमला

रामल्लाह ।वेस्ट बैंक के शहर तुल्कर्म में गोलीबारी के दौरान दो फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और एक इजरायली सैनिक घायल हो गया। तुल्कर्म अस्पताल के निदेशक अमीन खादर के मुताबिक इजरायली सैनिकों ने तुल्कर्म में नूर शम्स शरणार्थी शिविर पर हमला करके 21 वर्षीय ओसैद अबू अली और 32 वर्षीय अब्दुल रहमान अबू दगाश को सिर में गोली मारकर हत्?या कर दी। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा वांछित फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार करने के लिए सैन्य बुलडोजर के साथ दसियों इजरायली सैनिकों ने नूर शम्स शरणार्थी शिविर पर धावा बोल दिया, जो फिलिस्तीनी आतंकवादियों से भिड़ गए। रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इजरायली सेना ने शिविर की कई सड़कों पर बुलडोजर चला दिया, संपत्ति और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिये। शिविर में फिलिस्तीनी सशस्त्र गुटों ने एक बयान में कहा कि उनके लड़ाके इजरायली सैनिकों के साथ हिंसक और भयंकर झड़पों में शामिल थे। उन्होंने इजरायली वाहनों में घरेलू विस्फोटक उपकरणों से विस्फोट किया, जिससे उनके बीच हताहत हुए और उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर पर एक सुरक्षा अभियान के दौरान एक इजरायली सैनिक मामूली रूप से घायल हो गया। इसमें कहा गया है कि इजरायली सेना बल, इंजीनियरिंग, पुलिस और सामान्य सुरक्षा सेवा (शिन बेट) के सदस्यों ने नूर शम्स शिविर में सुरक्षा अभियान में भाग लिया। बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन के दौरान, हमारी सेना ने एक इमारत को नष्ट कर दिया, जिसमें फिलिस्तीनी आतंकवादियों द्वारा इजरायलियों के खिलाफ हमले करने के लिए नियंत्रण बिंदु के रूप में इस्तेमाल किया जाने वाला एक कमरा भी शामिल था। दर्जनों तैयार बम और विस्फोटक उपकरणों के निर्माण के लिए कई घटकों को भी नष्ट कर दिया गया।

7 मुस्लिम देश देंगे इजराइल को मान्यता

तेल अवीव ।इजराइल के फॉरेन मिनिस्टर एली कोहेन ने कहा है कि सऊदी अरब से डिप्लोमैटिक रिलेशन बहाल होने के बाद कम से कम सात मुस्लिम देश इजराइल को मान्यता देंगे। यह एक नए तरह की पीस डील होगी। कोहेन ने माना कि सऊदी अरब और इजराइल के बीच बातचीत जारी है और कुछ चीजें ऐसी हैं, जिन्हें इस वक्त बताया नहीं जा सकता। कोहेन का यह बयान कई लिहाज से अहम है, क्योंकि पिछले हफ्ते सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने फॉक्स न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में साफ तौर पर माना था कि इजराइल से बातचीत अंजाम के काफी करीब है।

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के भारतवंशी नेता को नस्ली तौर पर निशाना बनाया गया

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य टेक्सास में फोर्ट बेंड काउंटी के आयुक्त पद के लिए चुनाव लड़ रहे 29 वर्षीय भारतवंशी नीति विशेषज्ञ तराल पटेल ने कहा है कि उन्हें सोशल मीडिया पर नस्लवादी और नफरत भरे संदेश मिले हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े तराल पटेल ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्हें ऑनलाइन मिले कुछ संदेशों की एक तस्वीर साझा की थी। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं ने लिखा कि पटेल विदेशी हैं और लोगों की आजादी छीनने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या पटेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। वहीं, कुछ लोगों ने कहा कि वे वर्तमान आयुक्त एंडी मेयर्स का समर्थन करते हैं, क्योंकि वह ईसाई हैं, जबकि पटेल और उनके समर्थक जानवरों की पूजा करते हैं। पटेल ने कहा, ''काउंटी आयुक्त के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में, मैं मुद्दों पर अपने नीतिगत रुख की आलोचना झेलने के लिए हमेशा तैयार हूं। हालांकि, जब रिपब्लिकन पार्टी के मेरे प्रतिद्वंद्वी के समर्थक मेरे परिवार, धार्मिक समुदाय, सहकर्मियों और मुझ पर नस्लवादी, प्रवासी-विरोधी, हिंदू-विरोधी, घृणित अपमानजनक टिप्पणी करते हैं, तो वे हद पार कर जाते हैं।'' फोर्ट बेंड काउंटी के चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके पटेल काउंटी में पले-बढ़े हैं और स्थानीय स्कूलों में पढ़ाई की है। पटेल ने कहा कि वह गौरवान्वित अमेरिकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका अभियान कड़ी मेहनत और सभी समुदायों के सम्मान पर केंद्रित है।

इमरान खान को हाई सिक्योरिटी वाली अदियाला जेल में किया जाएगा ट्रांसफर, पाकिस्तान हाई कोर्ट ने दिया आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने सोमवार को अधिकारियों को पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान को पंजाब प्रांत की अटक जेल से रावलपिंडी के गैरीसन शहर में उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। अगस्त में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने खान की समृद्ध पारिवारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अपदस्थ पार्टी प्रमुख को अदियाला जेल में स्थानांतरित करने के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में याचिका दायर की, जहां ए श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध हैं। पार्टी ने कहा कि आईएचसी ने मामले की सुनवाई करते हुए आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश ने पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान को अटक जेल से रावलपिंडी की अडियाला जेल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। 70 वर्षीय खान को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पांच अगस्त से अटक जेल में रखा गया है। आईएचसी ने 29 अगस्त को उनकी सजा निलंबित कर दी थी, लेकिन सिफर (गुप्त राजनयिक केबल) लीक मामले में वह अभी भी अटक जेल में हैं। आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत स्थापित एक विशेष अदालत ने 13 सितंबर को सिफर मामले में खान की न्यायिक हिरासत 26 सितंबर तक बढ़ा दी। इस्लामाबाद ट्रायल कोर्ट, जिसने खान को तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। उसने अधिकारियों को उसे अदियाला जेल में रखने का निर्देश दिया था। हालाँकि, उनकी गिरफ्तारी के बाद, उन्हें अटक जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

जयशंकर ने यूएनजीए से इतर मेक्सिको, बोस्निया एवं हर्जेगोविना और आर्मीनिया के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

-साझेदारी को आगे बढ़ाने पर हुई बात

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में उच्च स्तरीय संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र के मौके पर अपने वैश्विक समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में बहुपक्षवाद में सुधार और जी20 में सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। उन्होंने 24 सितंबर को मैक्सिको, बोस्निया और हर्जेगोविना और आर्मेनिया के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। जयशंकर ने कहा कि मैक्सिको की विदेश सचिव एलिसिया बार्सेना से मिलना एक वास्तविक खुशी का क्षण था।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और पारंपरिक चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमारी विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। साथ ही बहुपक्षवाद में सुधार और जी20 में हमारे साथ मिलकर काम करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।÷ बोस्निया और हर्जेगोविना के उनके समकक्ष एल्मेडिन कोनाकोविक ने व्यापार और अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

यूएनजीए सत्र के इतर कोनाकोविच के साथ अपनी मुलाकात को 'अच्छा' बताते हुए जयशंकर ने कहा, 'व्यापार और अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमारे द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा हुई।' जयशंकर ने आर्मेनिया के अपने समकक्ष अरारत मिर्जोयान से भी मुलाकात की। काकेशस में वर्तमान स्थिति के बारे में उनके साझा मूल्यांकन की सराहना करें। हमारे मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की पुष्टि की। जयशंकर ने शनिवार को कंबोडियाई प्रधान मंत्री हुन मानेट से मुलाकात की और द्विपक्षीय विकास साझेदारी की प्रगति और म्यांमार की स्थिति पर चर्चा की। दोनों नेताओं की न्यूयॉर्क में उच्च स्तरीय संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर मुलाकात हुई।

चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में बाइडन ट्रंप से 10 अंक पीछे

वॉशिंगटन। अमेरिका में मीडिया संस्थानों के नए चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के अनुसार, 2024 में होने वाले आम चुनावों में लोकप्रियता के मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पीछे हैं। 'वॉशिंगटन पोस्ट' और 'एबीसी न्यूज' के सर्वेक्षण के परिणामों में यह दावा किया गया है। सर्वेक्षण के अनुसार, ''ट्रंप को 51 और बाइडन को 42 अंक मिले हैं।'' अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने के दावेदारों में ट्रंप अपने प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे हैं। रिपब्लिकन पार्टी की नामांकन प्रक्रिया जनवरी में न्यू हैम्पशायर प्राइमरी और आयोवा कॉकस से आधिकारिक रूप से आरंभ होगी। रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने के अन्य दावेदारों में से साउथ कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर निकी हेली और उद्यमी विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता हालिया सप्ताह में बढ़ी है। इसके बावजूद ट्रंप उनसे बहुत आगे हैं और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनके पार्टी का उम्मीदवार बनने की पूरी संभावना है। 'वॉशिंगटन पोस्ट-एबीसी न्यूज' द्वारा रविवार को जारी सर्वेक्षण परिणामों में कहा गया है कि रिकॉर्ड संख्या में अमेरिकियों का कहना है कि बाइडन के कार्यकाल में उनकी स्थिति खराब हुई है। तीन-चौथाई लोगों का कहना है कि बाइडन की आयु बहुत अधिक हो गई है तथा एक और कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद संभालना उनके लिए संभव नहीं है। उनका कहना है कि पीछे मुड़कर विश्लेषण करने पर ट्रंप बेहतर नजर आते हैं। बहरहाल, 'वाशिंगटन पोस्ट' सर्वेक्षण के नतीजों से असहमत है। अमेरिका के इस प्रमुख समाचार पत्र ने कहा कि सर्वेक्षण के अनुसार ट्रंप बाइडन से 10 अंक से आगे नजर आ रहे है, लेकिन यह परिणाम अन्य सर्वेक्षणों के परिणामों से मेल नहीं खाता क्योंकि अन्य सर्वेक्षणों के अनुसार दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच कड़ा मुकाबला है।

भारत के साथ रिश्ता अहम लेकिन... निज्जर हत्या विवाद के बीच कनाडाई रक्षा मंत्री ने दी चेतावनी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के रक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने भारत के साथ संबंधों को महत्वपूर्ण बताया। हालांकि ब्लेयर ने यह नहीं बताया कि क्या दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव के आलोक में कनाडाई सरकार की इंडो-पैसिफिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन किया जा सकता है, लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि आरोपों की जांच जारी रहने तक कनाडा उन साझेदारियों को जारी रखेगा। ग्लोबल न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार में कनाडाई रक्षा मंत्री ने कहा कि हम समझते हैं कि भारत के साथ हमारे संबंधों के संबंध में यह एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा हो सकता है और साबित हुआ है। लेकिन साथ ही, हमारी जिम्मेदारी है कि हम कानून की रक्षा करें, अपने नागरिकों की रक्षा करें और साथ ही यह सुनिश्चित करें कि हम पूरी जांच करें और सच्चाई तक पहुंचें।

ब्लेयर ने कहा कि अगर आरोप सही साबित होते हैं तो कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या में हमारी संप्रभुता के उल्लंघन के संबंध में कनाडा को बहुत बड़ी चिंता होगी। रिपोर्ट के अनुसार, विश्वसनीय खुफिया जानकारी, जैसा कि ट्रूडो ने कहा था। पहली बार कनाडाई अधिकारियों के समक्ष उठाए जाने से पहले कनाडा भारत के साथ गहरे व्यापार, रक्षा और आव्रजन संबंधों की मांग कर रहा था। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के विस्फोटक आरोपों के बाद भारत सरकार से सहयोग का आह्वान किया। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित कहकर सिरे से खारिज कर दिया है और इस मामले में ओटावा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया है। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था।

अगर आरोप सच साबित हुए तो... राजनयिक विवाद के बीच कनाडा के रक्षा मंत्री का बड़ा बयान

ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को अपने देश की धरती पर 45 वर्षीय खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के विस्फोटक आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने गुस्से में आरोपों को बेतुका और प्रेरित कहकर खारिज कर दिया और इस मामले पर ओटावा के एक भारतीय अधिकारी के निष्कासन के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया। ग्लोबल न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, विश्वसनीय खुफिया जानकारी, जैसा कि ट्रूडो ने कहा था। द वेस्ट ब्लॉक पर प्रसारित एक साक्षात्कार में ब्लेयर ने भारत के साथ संबंधों को महत्वपूर्ण बताते हुए सुझाव दिया कि आरोपों की जांच जारी रहने तक कनाडा उन साझेदारियों को आगे बढ़ाता रहेगा। ग्लोबल न्यूज ने उनके हवाले से कहा कि हम समझते हैं कि भारत के साथ हमारे संबंधों के संबंध में यह एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा हो सकता है और साबित हुआ है। लेकिन साथ ही, हमारी जिम्मेदारी है कि हम कानून की रक्षा करें, अपने नागरिकों की रक्षा करें और साथ ही यह सुनिश्चित करें कि हम पूरी जांच करें और सच्चाई तक पहुंचें। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो ब्लेयर ने कहा कि कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या में हमारी संप्रभुता के उल्लंघन के संबंध में कनाडा के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण चिंता है। ब्लेयर ने कहा कि इंडो-पैसिफिक रणनीति अभी भी कनाडा के लिए महत्वपूर्ण है और इससे क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ी है और आगे की गश्त क्षमताओं के लिए प्रतिबद्धताएं बढ़ी हैं। यह रणनीति उन सैन्य प्राथमिकताओं के लिए पाँच वर्षों में 492.9 मिलियन का योगदान देती है, जो इसी अवधि में कुल लगभग 2.3 बिलियन में से है।

हाथोंहाथ बिक रही एलन मस्क की बायोग्राफी, एक सप्ताह में 95 हजार कॉपी हुई सेल

सेन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। टेस्ला और एक्स के सुप्रीमो एलन मस्क की बायोग्राफी लॉन्च होते ही हाथोंहाथ बिक रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार लॉन्च के एक सप्ताह के भीतर इसकी 92,560 प्रतियां बिक चुकी हैं इसे अमेरिकी लेखक-पत्रकार वॉल्टर आईजैकसन ने लिखा है। बुक ट्रैकर सर्काना बुकस्कैन द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, मस्क की बायोग्राफी की बिक्री के आंकड़ों में 16 सितंबर तक बेची गई प्रिंट प्रतियां शामिल हैं। पुस्तक का शीर्षक 'एलन मस्क' रखा गया है। मस्क ने रविवार को बंपर बिक्री के आंकड़ों पर पोस्ट किया, कूल, हालांकि मेरे चेहरे की इतनी सारी क्लोज-अप तस्वीरें देखना थोड़ा अजीब है। 'एलन मस्क' की जीवनी प्रकाशन के पहले सप्ताह में दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली बायोग्राफी बन गई है। बता दें कि आईजैकसन द्वारा 2011 में दिवंगत ऐपल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की जीवनी की लगभग 383,000 प्रतियां पहले सप्ताह में बिकी थीं। यह 5 अक्टूबर 2011 को जॉब्स की मृत्यु के कुछ ही सप्ताह बाद प्रकाशित हुई थी।

पुस्तक के प्रकाशक, साइमन एंड शूस्टर के अनुसार, आईजैकसन ने दो साल तक मस्क का अनुसरण किया, उनकी बैठकों में भाग लिया, उनके साथ उनके कारखानों में गये, और उनका, उनके परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों और विरोधियों का साक्षात्कार लेने में घंटों बिताए। उन्होंने आइंस्टीन और बेंजामिन फ्रैंकलिन की सबसे ज्यादा बिकने वाली जीवनियां भी लिखी हैं। मस्क की जीवनी अमेज़ॅन की बेस्टसेलर सूची में भी है। इसकी खुदरा कीमत 20.99 डॉलर है। किताब में मस्क के जीवन के कई पहलुओं का खुलासा किया गया है, जिसमें कई महिलाओं के साथ उनके व्यक्तिगत संबंधों की बात भी शामिल है।

जीवन के शुरुआती दिनों में अपने पिता द्वारा जाहिर तौर पर दिए गए भावनात्मक घावों से प्रभावित अरबपति के जीवन में कई महिलाएं रही हैं। इनमें उनकी कुछ गर्लफ्रेंड, पूर्व पत्नियां, कुछ पूर्व-गर्लफ्रेंड और अन्य महत्वपूर्ण महिलाएं शामिल हैं। जीवनी से पता चलता है कि कई महिलाओं के साथ उनके कई बच्चे हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क बचपन में अकेले और उदास थे क्योंकि उन्हें स्कूल में दोस्त बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्हें सामाजिक संकेतों को समझने में भी संघर्ष करना पड़ा और उनके बारे में जानने के लिए वह किताबों पर निर्भर रहे। टेस्ला के सीईओ पिछले साल शेयरों की खरीद बिक्री को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से भिड़ गए थे।

नवाज शरीफ के लौटने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी : कार्यवाहक सूचना मंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने रविवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ जेल की सजा से लंदन नहीं भागे और अगले महीने स्वदेश लौटने पर उनके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

शरीफ (73) ने हाल ही में कहा था कि वह 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटने को लेकर उत्साहित हैं और जनवरी 2024 में होने वाले चुनावों में अपनी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

जियो न्यूज की खबर के मुताबिक, कराची में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सोलांगी ने कहा कि नवाज तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और एक बड़े राजनीतिक दल के नेता हैं। मंत्री ने कहा कि नवाज जेल की सजा से विदेश नहीं भागे, बल्कि उन्होंने अदालत व पूर्व सरकार से विदेश जाने की मंजूरी ली थी। सोलांगी ने कहा कि वह इस सवाल का जवाब नहीं दे सकते कि नवाज को अग्रिम जमानत मिली है या फिर वह अदालत गए हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि इसका जवाब खुद पीएमएल-एन सुप्रीमो देंगे या फिर देश का कानून व संविधान। सोलांगी ने कहा कि संविधान के मुताबिक, देश निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा ही चलाया जाएगा। आय की घोषणा नहीं करने पर उच्चतम न्यायालय ने नवाज शरीफ को सार्वजनिक पद रखने के लिए आजीवन अयोग्य करार दिया था, जिसकी वजह से उन्हें 2017 में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। नवाज ने इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी, जिस पर लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें चार सप्ताह की मंजूरी प्रदान की थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटे और 2019 से लंदन में रह रहे हैं।

भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन की तैयारी, कनाडा में खालिस्तानियों का अपने समर्थकों को खास निर्देश

ओटावा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा ब्रिटिश कोलंबिया में एक खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या के लिए नई दिल्ली के संभावित लिंक का आरोप लगाने के एक सप्ताह बाद, एक खालिस्तानी समूह ने अपने सदस्यों से सोमवार को मुख्य कनाडाई शहरों के भारतीय राजनयिक मिशनों के बाहर विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। ट्रूडो ने पिछले सप्ताह कहा था कि कनाडा विश्वसनीय आरोपों पर काम कर रहा है कि भारत सरकार के एजेंट हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े हो सकते हैं, जिनकी 18 जून को उच्च सिख आबादी वाले वैंकूवर उपनगर सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

भारत ने हत्या में किसी भी भूमिका से तुरंत इनकार किया और आरोपों को बेतुका बताया। आरोपों ने दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर दिया है, प्रत्येक देश ने राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है, और नई दिल्ली ने कनाडाई लोगों के लिए वीजा निलंबित कर दिया है। कनाडा में सिख फॉर जस्टिस के निदेशक जतिंदर सिंह ग्रेवाल ने रविवार को रॉयटर्स को बताया कि उनका संगठन निज्जर की हत्या के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए टोरंटो, ओटावा और वैंकूवर में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के बाहर प्रदर्शन का नेतृत्व करेगा। ग्रेवाल ने कहा कि हम कनाडा से भारतीय राजदूत को निष्कासित करने के लिए कह रहे हैं। ओटावा और टोरंटो में भारत के राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि टिप्पणी के लिए तुरंत उपलब्ध नहीं थे। टोरंटो पुलिस विभाग ने कहा कि उसे सोमवार को नियोजित प्रदर्शनों के बारे में पता था, लेकिन सुरक्षा तैयारियों या विरोध प्रदर्शन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी हिंसक स्थिति पर संभावित प्रतिक्रिया के विवरण का खुलासा करने से इनकार कर दिया। निज्जर ने एक चौथाई सदी पहले पंजाब छोड़ दिया और कनाडाई नागरिक बन गए। भारत ने जुलाई 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया।

रेलगन से लैस न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट चीन के किया लॉन्च, साउथ चाइना सी में तैनाती की योजना

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन ने रेलगन से लैस एक परमाणु शक्ति संचालित विमान वाहक पोत लॉन्च किया है। कहा जा रहा है कि इस युद्धपोत को दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाएगा। नौसेना की शक्तिशाली विद्युत चुम्बकीय रेलगन बहुत तेज़ गति और सटीकता से प्रोजेक्टाइल लॉन्च कर सकती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, देश की नई गॉस गन 0.05 सेकंड से भी कम समय में 700 किलोमीटर (435 मील) प्रति घंटे की गति से 124 किलोग्राम (273 पाउंड) के प्रोजेक्टाइल को फायर कर सकती है। हालाँकि रेलगन के बारे में अधिक विवरण उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि हथियार अपने लक्ष्य पर फायर करने के लिए पारंपरिक आग्नेयास्त्रों में उपयोग की

जाने वाली रासायनिक ऊर्जा के बजाय विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करता है।

आउटलेट के अनुसार, भविष्यवादी हथियार तेज, अधिक सटीक और अधिक विनाशकारी हमलों के माध्यम से युद्ध में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। परमाणु शक्ति संपन्न एयरक्राफ्ट कैरियर पर लगे होने की वजह से चीन इसे पूरी दुनिया में जहां चाहेगा वहां तैनात कर सकता है। इसी महीने साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बताया था कि चीन के एक शीर्ष नौसैनिक वैज्ञानिक मा वेइमिंग ने एक भविष्य के युद्धपोत का प्रस्ताव दिया है जो नौसैनिक बेड़े को स्टार वार्स स्टाइल के सुपर शिप में बदल सकता है।

अमेरिका, जापान को टक्कर दे रहे हैं

शक्तिशाली रेलगन विकसित करने और परीक्षण करने का चीन का दावा जापान द्वारा रेलगन-आधारित काउंटर-हाइपरसोनिक हथियार प्रणाली विकसित करने के लिए अमेरिका के साथ साझेदारी करने पर विचार करने के बाद आया है। अमेरिका, जापान को टक्कर दे रहे हैं। टोक्यो ने पिछले साल घोषणा की थी कि वह इस पहल का समर्थन करने के लिए 6.5 बिलियन येन (56 मिलियन) अलग रख रहा है, जिसके ÷इस दशक के उत्तरार्ध तक÷ वास्तविक परिणाम मिल सकते हैं। अमेरिकी नौसेना ने मल्टी-शॉट और ऑटो-लोडिंग क्षमताओं के साथ एक विद्युत चुम्बकीय रेलगन विकसित करने का भी प्रयास किया। हालाँकि, राजकोषीय बाधाओं, युद्ध प्रणाली एकीकरण चुनौतियों और अन्य हथियारों की प्रौद्योगिकी परिपक्वता के कारण बहुप्रचारित हथियार पर अनुसंधान और विकास रद्द कर दिया गया था।

एक बार फिर उत्तरकाशी में 3.0 तीव्रता का आया भूकंप

देहरादून । भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की धरती एक बार फिर कांप गई। सोमवार सुबह लगभग 8 :35 बजे यहां भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.0 नापी गई है। भूकंप के चलते जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। झटके लगने पर किसी बड़ी आशंका से डरे लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र हिमाचल प्रदेश से लगे मोरी ब्लॉक के कोठीगाड रेंज में जमीन से पांच किमी नीचे था। सिर्फ इसी साल उत्तरकाशी में कई मौकों पर कम तीव्रता का भूकंप आ चुका है। जिले में कई स्थानों पर दरार की वजह से दहशत है, ऐसे में भूकंप का आना लोगों के लिए और डर की वजह बन रहा है। इससे पहले सात अप्रैल 2023 में यहां भूकंप आया था जिसकी तीव्रता 3.0 थी। भूकंप का केंद्र जिला मुख्यालय के नजदीक मांडो गांव के जंगलों में बताया गया था। उत्तराखंड में उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, चमोली और बागेश्वर जिले भूकंप के लिहाज से संवेदनशील हैं। उत्तराखंड जोन पांच में आता है। गढ़वाल का उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग जिला और कुमाऊं का कपकोट, धारचूला, मुनस्यारी क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। इन क्षेत्रों में भी उत्तरकाशी सबसे ज्यादा संवेदनशील है। उत्तरकाशी भूगर्भीय दृष्टि से बेहद संवेदनशील जोन-4 औ 5 में आता है। वर्ष 1991 में उत्तरकाशी आए में भूकंप ने काफी तबाही मचाई थी। 6.8 तीव्रता के इस भूकंप में 768 लोगों की जान चली गई थी। 1800 लोग बुरी तरह से घायल हुए थे और तीन हजार परिवार बेघर हो गए थे।

वंदे भारत ट्रेन में 6 महीने तक पैकेज्ड फूड सर्व नहीं किया जाएगा

नई दिल्ली । रेलवे की ओर से एक सर्कुलर में बताया गया है कि अगले 6 महीनों के लिए वंदे भारत ट्रेन में पैकेज्ड फूड सर्व नहीं किया जाएगा। रेलवे ने ये फैसला हेल्थ हाइजीन और कंज्यूमर रिस्पॉन्स के बाद लिया है। इस सुविधा को एयरलाइंस की तर्ज पर ट्रायल बेसिस पर शुरू किया गया है। रेल मंत्रालय की ओर से यात्रियों के सुझाव और शिकायतों के आधार पर ये कदम उठाया गया है। रेलवे ने अपने सर्कुलर में बताया कि ऐसा देखा गया है कि बेकरी प्रोडक्ट, वेफर्स, कन्फेक्शनरी आइटम, कोल्ड ड्रिंक्स जैसी चीजों की बिक्री पर पैसेंजर्स की काफी शिकायतें बढ़ रही हैं। रेलवे के मुताबिक ट्रेन के अंदर फेरीवालों के आने की वजह से काफी समस्या, रस्ते में खाद्य पदार्थों का ज्यादा भंडारण और दरवाजों का बार-बार खुलने से यात्रियों को असुविधा होती है। इन बातों के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है कि वंदे भारत ट्रेनों में 6 महीने के लिए पायलट आधार पर पेड वस्तुओं की बिक्री की अनुमति बंद कर दी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक रेल मंत्रालय ने आईआरसीटीसी को यह भी निर्देश दिया है कि वह राउंड ट्रिप के लिए रेल नीर बोतलबंद पानी की दोहरी आपूर्ति का स्टॉक न किया जाए। इससे ज्यादा जगह लगती है। बोतलों को अब एक ही यात्रा के लिए स्टॉक किया जाएगा और फिर से भरा जाएगा। रेलवे के मुताबिक अब खानपान सेवाओं के संबंध में पैसेंजर्स को प्री बुकिंग करनी होगी। वंदे भारत में ट्रैवल के 24 से 48 घंटे पहले पैसेंजर्स को पुन- पुष्टि के लिए एसएमएस भी भेजा जाएगा। जो लोग प्रीपेड भोजन का विकल्प नहीं चुनते हैं, उनसे ट्रेन में ऑर्डर करने और भोजन उपलब्ध होने पर 50 रुपए अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। ये एसएमएस पैसेंजर्स को भोजन और परोसे जाने वाले भोजन की मात्रा के बारे में भी सूचित करेगा।

बीजेपी नेता किरीट सोमैया से अज्ञात शख्स ने मांगे 50 लाख रुपये

मुंबई । भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया है कि उन्हें जबरन वसूली वाला एक ईमेल मिला है जिसमें कथित तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनका वीडियो प्रसारित करने की धमकी दी गई है। पूर्व सांसद ने कहा, आरोपी ने मांग की कि वह इसे प्रसारित होने से रोकने के लिए 50 लाख रुपये का भुगतान करे। मुंबई पुलिस को सोमैया की लिखित शिकायत के आधार पर, नवघर पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 385 (जबरन वसूली) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि ईमेल रविवार को सोमैया के कार्यालय ईमेल पते पर प्राप्त हुआ था और ईमेल आईडी किसी ऋषिकेश शुक्ला के नाम पर थी। नवघर पुलिस साइबर विंग की मदद से मामले की जांच कर रही है। हाल ही में मराठी समाचार चैनल लोकशाही को सोमैया की कथित अश्लील वीडियो क्लिप प्रसारित करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। मुंबई पुलिस ने पहले इस संबंध में लोकशाही के प्रधान संपादक कमलेश सुतार और एक यूट्यूबर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। वीडियो सामने आने के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, जिनके पास गृह विभाग भी है, ने यह निर्धारित करने के लिए जांच के आदेश दिए कि क्या इसके संबंध में कोई यौन उत्पीड़न शामिल था।

'राजनीतिक बोझ हो चुके हैं नीतीश कुमार', सुशील मोदी बोले- वे नाक भी रगड़ ले फिर भी भाजपा का दरवाज़ा...

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को पटना में भारतीय जनसंघ के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107वीं जयंती समारोह में शामिल हुए, जिसके बाद एनडीए में उनकी वापसी को लेकर चर्चा तेज हो गई। कुमार की हालिया कार्रवाइयों ने उनके भविष्य के राजनीतिक कदमों के बारे में कई सवाल और अटकलें खड़ी कर दी हैं, खासकर चुनावों से पहले। हालांकि, जनता दल (यूनाइटेड) नेता ने एनडीए में अपनी वापसी की अटकलों पर पूर्ण विराम लगाते हुए कहा कि वह विपक्ष को एकजुट करने के लिए काम कर रहे हैं और यह एक बड़ी उपलब्धि होने वाली है। वहीं, भाजपा भी इन कयासों को विराम लगाने की कोशिश कर रही है। भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार नाक भी रगड़ ले फिर भी भाजपा का दरवाज़ा उनके लिए बंद हो चुका है... वे अब एक राजनीतिक बोझ हो चुके हैं और जो बोझ बन चुका है उसको ढ़ोने का काम भाजपा क्यों करेगी। बिहार के नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि उन्हें (नीतीश कुमार को) कौन वापस ले जा रहा है? बिहार के लोग उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं और उनके साथ वालों का डूबना तय है।' वहीं, नीतीश कुमार ने कहा कि आपको पता है कि हमने विपक्षी गठबंधन को एकजुट किया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कौन क्या बोलता है, वह मुझे पता नहीं। उन्होंने कहा कि कौन क्या बोलता है, इससे हमें मतलब नहीं है, हम हर रोज की तरह काम कर रहे हैं।

1500 रुपये पर ब्याज देने से किया इनकार, पटना में महा-दलित महिला को नग्न घुमाया, पेशाब पिला-पिलाकर बुरी तरह से पीटा, पीड़िता अस्पताल में भर्ती

बिहार का सुशासन इस समय अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब रखने वाले नीतिश कुमार के राज्य में दलित महिला के साथ बर्बरता की गयी। घटना बिहार की राजधानी की है। जहां एक दलित महिला ने एक शख्स से 1500 रुपये उधार लिए थे। महिला ने 1,500 समय से लौटा दिए लेकिन 1,500 कर्ज देन वाले शख्स ने दलित महिला से 1500 का ब्याज मांगा। महिला ने जब ब्याज देने से इनकार कर दिया तो उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गयी। कर्द देने वाले खानदार का सिलसिला मारपीट तक ही नहीं रहा उन्हें दलित महिला काफी औछी हरकतें भी की। दलित महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, उसके कपड़े उतार दिए गए और उसे पेशाब पीने के लिए मजबूर किया गया, ये सब इस लिए हुआ क्योंकि उसने आरोपी को 1500 पर वापस करते वक्त कोई ब्याज नहीं दिया।

मारपीट में बुरी तरह से घायल हुआ दलित महिला

बिहार के पटना में शनिवार रात एक पिता-पुत्र ने एक दलित महिला को कथित तौर पर निर्वस्त्र कर दिया, बेरहमी से हमला किया और उसे मूत्र पीने के लिए मजबूर किया, क्योंकि उसने ऋण चुकाने के बावजूद अधिक पैसे की उनकी मांग को अस्वीकार कर दिया था। महिला के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

चंद्रयान-3: क्या विक्रम और प्रज्ञान हमेशा के लिए सो गए? सभी संकेत हाँ की ओर इशारा कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के साथ संचार स्थापित करने में असमर्थ रहा है, जिससे उनकी परिचालन स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। बार-बार प्रयास करने के बावजूद, चंद्र खोजकर्ताओं से कोई संकेत नहीं मिला है। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को अपने शुरुआती कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 2 सितंबर को स्लीप मोड में डाल दिया गया था। रोवर ने शिव शक्ति बिंदु से चंद्रमा की सतह पर 100 मीटर से अधिक की दूरी तय की, जिससे चंद्रमा पर सल्फर, लोहा, ऑक्सीजन और अन्य तत्वों की उपस्थिति की पुष्टि हुई।

हालाँकि, तब से इसरो उच्च उम्मीदों के बावजूद प्रणाली को पुनर्जीवित करने में असमर्थ रहा है। इसरो 30 सितंबर को होने वाले अगले चंद्र सूर्यास्त तक लैंडर और रोवर के साथ संपर्क स्थापित करने के अपने प्रयास जारी रखेगा। एजेंसी को अभी भी उम्मीद है कि शिवशक्ति प्वाइंट पर जहां लैंडर और रोवर खड़े हैं, सूर्य के उदय होने से उपकरण वापस आ जाएंगे। जीवन के लिए। हालाँकि, अभी यह अनिश्चित है कि चंद्रयान-3 उपकरणों से संपर्क कब स्थापित किया जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया। लेकिन अभी तक कोई संचार नहीं हुआ है। लंबी रात के दौरान कठोर चंद्र वातावरण को देखते हुए पुनरुद्धार की संभावना हमेशा कम रही थी। अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के निदेशक नीलेश एम देसाई के अनुसार, लैंडर और रोवर का पुनरुद्धार स्वचालित होना था। उन्होंने पहले बताया था कि 22 सितंबर को चंद्रमा की सतह पर होने वाले सूर्योदय के कारण सौर ऊर्जा से संचालित लैंडर और रोवर के चार्ज होते ही सिग्नल आना था।

पवार-अडानी की बार-बार मुलाकात से कांग्रेस नाराज ?

मुंबई, । गुजरात के अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और उद्योगपति गौतम अडानी के एक साथ आने से कांग्रेस में नाराजगी है. सूत्रों की मानें तो पवार के रुख से महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओं में गहरी नाराजगी देखी जा रही है. लेकिन अभी कोई खुलकर कुछ बोलने को तैयार नहीं है. दरअसल एक तरफ जहां कांग्रेस पार्टी और इंडिया अलायंस अडानी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं, वहीं कांग्रेस में एक राय यह भी है कि अडानी के साथ पवार की मुलाकात इंडिया अलायंस के लिए सिरदर्द बन रही है. आपको बता दें कि शरद पवार बीते 23 सितंबर को अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उद्योगपति गौतम अडानी के कार्यालय और आवास पर गये. हिंडनबर्ग द्वारा अरबपति गौतम अडानी पर लगाये गये आरोपों की जेपीसी से जांच कराने की विपक्षी दलों की मांग को पवार द्वारा ख़ारिज करने और फिर इस साल 20 अप्रैल को अडानी द्वारा मुंबई आकर पवार के घर सिल्वर ओक जाकर उनसे मिलने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था. फिर इसके बाद 2 जून को फिर मुंबई में अडानी ने पवार से मुलाकात की. ये मुलाकात आधे घंटे की रही. और अब अहमदाबाद में मुलाकात ने राजनीति गर्मा दी है. पवार के इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं. चर्चा तो ये भी है कि कहीं कांग्रेस को अँधेरे में तो नहीं रख रहे हैं शरद पवार ? बहरहाल इतना तो तय है कि पवार और अडानी की बार-बार मुलाकात से कांग्रेस भी असहज दिख रही है.

'जाति जनगणना भारत का एक्स-रे', राहुल गांधी बोले- जाति जनगणना से क्यों डरते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सोमवार को रिमोट कंट्रोल के माध्यम से चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास न्याय योजना की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के पास भी रिमोट कंट्रोल है, लेकिन वह इसे 'गुप्त रूप दबाते हैं। उन्होंने कहा कि हम खुले में रिमोट कंट्रोल का बटन दबाते हैं। लेकिन भाजपा ने इस पर गुप्त रूप से दबाव डाला और अडानीजी को मुंबई हवाई अड्डा मिल गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत सरकार में 90 सचिवों में से केवल 3 ही ओबीसी हैं। जाति जनगणना भारत का एक्स-रे होगी। इससे पता चल सकेगा कि कितने लोग एससी, एसटी, दलित और सामान्य वर्ग के हैं। मैंने पीएम मोदी से पूछा कि वह जाति जनगणना से क्यों डरते हैं और उनसे कहा कि जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से साझा करें।

अपने भाषण के दौरान, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब भी वह हाल ही में समाप्त हुए संसद के विशेष सत्र में जाति जनगणना के बारे में बात करेंगे, 'कैमरा विपरीत दिशा में घूम जाएगा'। राहुल गांधी ने कहा, 'और जब मैंने लोकसभा में अडानी पर पीएम मोदी से सवाल किया तो मुझे जवाब मिला, मेरी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई।' उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण आवास न्याय योजना के तहत छत्तीसगढ़ के करीब 50 हजार परिवारों के खातों में पहली किस्त भेजी गई है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार लगातार जनता के लिए काम रही है। वहीं मोदी सरकार आवास योजना में लोगों को पैसे नहीं दे रही है और अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है।

राहुल ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ से कुछ वादे किए थे। किसानों का कर्ज माफ, बिजली बिल हाफ, धान के लिए 2,500 रुपये/क्विंटल। पीएम मोदी ने कहा- कांग्रेस ये वादे पूरे नहीं कर पाएगी। सच्चाई आपके सामने है- ये वादे हमने पूरे किए। वहीं, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बीजेपी कहती रही कि आवास योजना बंद हो गई, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने आवास योजना कभी बंद नहीं की। राहुल गांधी जी ने अभी बटन दबाया और योजना के हितग्राहियों के खाते में पैसा चला गया। राहुल जी ने हमेशा गरीब, मजदूर और आदिवासियों की बात की है। मैं यह कहना चाहता हूं कि मोदी सरकार पैसा दे या न दें। आज राहुल जी ने पहली किस्त दी है और बाकी किस्त भी कांग्रेस सरकार देगी।

राहुल गांधी को ओवैसी ने दी चुनौती तो बोले संजय राउत, वो तो कहीं से भी जीत जाएंगे, नरेंद्र मोदी को करें चैलेंज

मुंबई (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर आज राहुल गांधी को बड़ी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि राहुल को वायनाड नहीं, हैदराबाद से चुनाव लड़ना चाहिए। इसी को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पलटवार किया है। संजय राउत ने कहा कि अगर उन्हें चुनौती देनी ही थी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देनी चाहिए थी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अब राहुल गांधी तो देश के सर्वमान्य नेता हो गए हैं। संजय राउत ने कहा कि ओवैसी साहब को राहुल गांधी को नहीं मोदी जी को चैलेंज करना चाहिए कि वे हैदराबाद में आकर चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि अब राहुल गांधी का कद इतना बढ़ गया है कि वे देश में कहीं भी चुनाव लड़ेंगे तो जीत जाएंगे। चुनाव जीतने के लिए भाजपा का जो रवैया है वह सही नहीं है, संविधान, कानून, नियम की धज्जियां उड़ा कर ये संसद चलाते हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी का कहना है कि असदुद्दीन ओवैसी अप्रासंगिक हैं और यह संयोग है कि जब भी बीजेपी को जरूरत होती है, असदुद्दीन ओवैसी वो सारे बयान देते हैं जिससे बीजेपी को मदद मिलती है... बीजेपी और असदुद्दीन ओवेसी दोस्त नहीं हैं बल्कि वे जुड़वां हैं... वे (बीजेपी) जो भी सोचते हैं, वह (असदुद्दीन ओवेसी) कहते हैं। ओवैसी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती देते हुए उनसे अपने गढ़ हैदराबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी। केरल में राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा, 'अबकी बार वायनाड नहीं, अबकी बार हैदराबाद से चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि आप (राहुल गांधी) बड़े-बड़े बयान देते रहो, मैदान में आओ और मेरे खिलाफ लड़ो। कांग्रेस के लोग बहुत कुछ कहेंगे, लेकिन मैं तैयार हूं। राहुल गांधी के खिलाफ ओवैसी का हमला कांग्रेस नेता द्वारा चार बार के हैदराबाद सांसद पर तीखा हमला करने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने इस तथ्य को उजागर करके भाजपा की जेब में होने का आरोप लगाया था कि केंद्रीय जांच एजेंसियां उनकी जांच नहीं कर रही हैं।

तमिलनाडु के किसानों ने मानव कंकालों के साथ अर्धनग्न होकर किया विरोध प्रदर्शन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अय्याकन्नू के नेतृत्व में नेशनल साउथ इंडियन रिवर इंटरलिंकिंग फार्मर्स एसोसिएशन ने सोमवार को तमिलनाडु के त्रिची में मानव कंकाल के कुछ हिस्सों को पकड़कर अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन किया और कावेरी जल बंटवारे की मांग की। तमिलनाडु में खड़ी 'कुरुवाई' फसल की खेती को बचाने के लिए, प्रदर्शनकारियों ने कावेरी जल के बंटवारे की मांग की। त्रिची के दृश्यों में प्रदर्शनकारियों को कर्नाटक से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने और किसानों को बचाने की मांग करते हुए नारे लगाते हुए दिखाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम पिछले 54 दिनों से यहां प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि केंद्र सरकार ने हमें हमारी फसलों का लाभकारी मूल्य नहीं दिया है।

इससे पहले रविवार को त्रिची में किसानों के एक समूह ने कर्नाटक के साथ चल रहे विवाद को लेकर कावेरी नदी के पानी में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्नाटक द्वारा राज्य के कुछ हिस्सों में गंभीर सूखे का हवाला देते हुए कावेरी जल बंटवारे पर अपना रुख कड़ा करने के बाद दोनों राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। तब कर्नाटक सरकार को कावेरी जल प्रबंधन निकाय द्वारा पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक कावेरी नदी का पानी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। हालाँकि, अदालत ने कावेरी जल के दैनिक आवंटन को 5,000 से बढ़ाकर 7,200 क्यूसेक करने के तमिलनाडु सरकार के अनुरोध को ठुकरा दिया।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि किसानों को विरोध करने का अधिकार है लेकिन राजनीतिक दल लोगों के गुस्से को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने का अवसर है। हम विरोध को बाधित नहीं करने जा रहे हैं। लेकिन बीजेपी-जेडीएस पार्टी इसमें राजनीति कर रही है। कावेरी मुद्दे को लेकर कल सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। हमारे वकील करेंगे। एक सक्षम तर्क प्रस्तुत करें। विपक्षी बीजेपी और जेडीएस ने आरोप लगाया है कि सीएम सिद्धारमैया कावेरी नदी जल संरक्षण में विफल रहे हैं. अपनी प्रतिक्रिया में, कर्नाटक के सीएम ने कहा कि वह शीर्ष अदालत के आदेश से बंधे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू की प्राथमिकी रद्द संबंधी याचिका को सूचीबद्ध करने से किया इनकार

-शीर्ष न्यायालय ने आउट-ऑफ-टर्न उल्लेख को तत्काल सूचीबद्ध के लिए 26 सितंबर का दिया समय

-कौशल विकास निगम धोखाधड़ी केस से राज्य को 371 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कौशल विकास निगम घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की याचिका को तत?काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। याचिका में कथित कौशल विकास निगम घोटाले में दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा से कहा कि कल उल्लेख सूची में आइये। हम देखेंगे कि क्या करना है। अधिवक्ता ने याचिका उल्लेख सूची में नहीं होने के बावजूद मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की थी। लूथरा ने शीर्ष अदालत को अवगत कराया कि नायडू 8 सितंबर से हिरासत में हैं और आंध्र प्रदेश में विपक्ष पर अंकुश लगाया जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने आउट-ऑफ-टर्न उल्लेख को अस्वीकार करते हुए लूथरा को तत्काल सूचीबद्ध करने के निर्देश के लिए 26 सितंबर को मामले का फिर से उल्लेख करने को कहा। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्रीनिवास रेड्डी की एकल पीठ द्वारा 22 सितंबर को उनकी याचिका खारिज किये जाने के बाद नायडू ने उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की है। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को 21 महीने पहले दर्ज की गई प्राथमिकी में अचानक नामित कर गैरकानूनी तरीके से गिरफ्तार कर राजनीतिक से प्रेरित होकर स्वतंत्रता से वंचित कर दिया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई तथ्य नहीं है।

इसमें कहा गया है कि नायडू के खिलाफ जांच शुरू करना और प्राथमिकी दर्ज करना दोनों गैर-स्थायी (कानून में अस्तित्वहीन) हैं क्योंकि दोनों ही भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम, 1988 की धारा 17-ए के तहत अनिवार्य अनुमोदन के बिना शुरू किये गये हैं और जांच जारी है। नायडू को इस मामले में सीआईडी ने 9 सितंबर को नंद्याल में गिरफ्तार किया था। अगले दिन, विजयवाड़ा में एसीबी कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीआईडी को 22 सितंबर को राजमुंदरी सेंट्रल जेल में पूछताछ करने के लिए नायडू की दो दिनों की हिरासत दी गई थी, जहां वह वर्तमान में बंद हैं।

रविवार को टीडीपी सुप्रीमो की दो दिन की पुलिस हिरासत खत्म होने के तुरंत बाद, एसीबी अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 5 अक्टूबर तक बढ़ा दी। कथित मामला नायडू सरकार के समय आंध्र प्रदेश राज्य में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के समूहों की स्थापना से संबंधित है, जिसकी कुल अनुमानित परियोजना लागत 3,300 करोड़ रुपये थी। सीआईडी ने दावा किया कि कथित धोखाधड़ी से राज्य सरकार को 371 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। एजेंसी ने दावा किया कि 371 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि, जो परियोजना के लिए सरकार की पूरी 10 प्रतिशत प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है, निजी संस्थाओं द्वारा किसी भी खर्च से पहले जारी की गई थी।

एयर फ़ोर्स के बेड़े में शामिल हुआ सी-295 परिवहन विमान, राजनाथ ने इस अंदाज में किया स्वागत

गाजियाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर 'भारत ड्रोन शक्ति-2023' प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए भारतीय वायु सेना के पहले सी-295 मेगावाट परिवहन विमान को शामिल किया। प्रेरण समारोह के दौरान एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी सहित शीर्ष सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। विशेष रूप से, भारतीय वायुसेना घरेलू ड्रोन डिजाइन और विकास की क्षमता को मान्यता देने के लिए संयुक्त रूप से भारत ड्रोन शक्ति 2023 की मेजबानी करने के लिए ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ काम कर रही है। 'भारत ड्रोन शक्ति-2023' कार्यक्रम 25 और 26 सितंबर को आयोजित किया जाएगा और इसमें लाइव हवाई प्रदर्शन होंगे। भारत में सैन्य और गैर-सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन प्रदर्शनों में ड्रोन अनुप्रयोगों की एक विविध श्रृंखला शामिल होगी, जिसमें सर्वेक्षण ड्रोन, कृषि ड्रोन, अग्नि शमन ड्रोन, सामरिक निगरानी ड्रोन, हेवी-लिफ्ट लॉजिस्टिक्स ड्रोन, लॉटरिंग मूनिशन सिस्टम, ड्रोन झुंड और काउंटर-ड्रोन समाधान शामिल हैं। इस आयोजन में 75 से अधिक ड्रोन स्टार्ट-अप और कॉर्पोरेट संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी भी देखी जाएगी। राजनाथ सिंह ने इसको लेकर एक एक्स किया। उन्होंने लिखा कि हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर सी-295 एमडब्ल्यू के अनावरण समारोह में भाग लिया। यह मीडियम लिफ्ट सामरिक विमान बिना तैयार लैंडिंग ग्राउंड से उड़ान भरने और उतरने में सक्षम है और यह एचएस-748 एवरो विमान की जगह लेगा। सी-295 के शामिल होने से भारतीय वायुसेना की मध्यम लिफ्ट सामरिक क्षमता में वृद्धि होगी। आने वाले वर्षों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

सी-295 अंततः 2030-31 की अवधि में भारतीय वायुसेना के पुराने एवरो 748 बेड़े की जगह ले लेगा। सी-295एस आईएएफ की सामरिक एयरलिफ्ट क्षमता को बढ़ावा देगा। पीआईबी की एक विज्ञप्ति के अनुसार मेगा शो में प्रदर्शित किए गए अन्य प्रदर्शनों में ड्रोन अनुप्रयोगों की एक विविध श्रृंखला शामिल थी, जिसमें सर्वेक्षण ड्रोन, कृषि ड्रोन, अग्नि शमन ड्रोन, सामरिक निगरानी ड्रोन, हेवी-लिफ्ट लॉजिस्टिक्स ड्रोन, लोटरिंग मूनिशन सिस्टम, ड्रोन झुंड और काउंटर ड्रोन समाधान शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत के उधना-लिंबायत में सड़कें नदियों में तब्दील

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में देर रात से सुबह तक मूसलाधार बारिश हुई. मूसलाधार बारिश होते ही जनजीवन पर इसका असर देखने को मिला. सड़क पर पानी भर जाने से सुबह काम पर जा रहे लोग भीषण जाम में फंस गये. उधना और

सूरत नवसारी रोड पर पानी भरने की कार्रवाई के लिए नगर निगम के कर्मचारी नहीं आए और पुलिस के नहीं आने से ट्रैफिक की स्थिति खराब हो गई, लोगों की हालत खराब हो गई।

लिंबायत इलाके में पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं. 8 घंटों में 5 इंच तक बारिश हुई, जिससे सड़कें नदियों में बदल गईं और समुदाय जलमग्न हो गए।

उधना में 5 इंच बारिश

सूरत शहर में देर रात से बारिश हो रही है। अकेले दक्षिणी क्षेत्र में 8 घंटे में करीब 5 इंच बारिश हुई. बारिश के कारण श्रीनाथजी सोसायटी समेत इलाकों में पानी भर गया. सुबह-सुबह स्कूल-कॉलेज जाने के साथ-साथ काम पर जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई. मूसलाधार बारिश के कारण विभिन्न

ट्रैफिक जाम से वाहन चालक परेशान

यातायात की समस्या का सामना करना पड़ा। बारिश रुकने के दो घंटे बाद भी सड़क से पानी नहीं उतरा. कई जगहों पर बारिश का पानी भर जाने से गाड़ियां भी भटकती नजर आईं. जिसके चलते उधना और लिंबायत जोन में भारी ट्रैफिक जाम देखने को मिला. लोगों के बीच चर्चा रही कि

उधना इलाके में दो घंटे की बारिश रुकने के बाद भी जलभराव के कारण हर जगह ट्रैफिक जाम के दृश्य।

अचानक हुई बारिश से सूरत नगर पालिका और पुलिस की नींद खुली: डिप्टी मेयर के घर के आसपास भरा पानी

सड़क से पानी नहीं निकलने के कारण प्रशासनिक व्यवस्था सुप्त अवस्था में है. पानी का निस्तारण न होने से लोगों को बार-बार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिसका निस्तारण शीघ्र किया जाना चाहिए।

दूसरी ओर, इस सड़क पर हर जगह जाम लग गया और जो लोग पुलिस कर्मियों या ट्रैफिक ब्रिगेड के पास नहीं आए, उनकी हालत खराब हो गई. ऐसे में बारिश के बाद नगर पालिका और पुलिस की शिथिलता से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

10 लाख रुपए रिश्वत मामले में उतरान पीएसआई चौसाला दो दिन की रिमांड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एसीबी पुलिस ने पोसाई चोसला की ओर से रिश्वत की रकम स्वीकार करने वाले आरोपी पीयूष रॉय को अदालत में पेश कर सात दिन की रिमांड मांगी.

पोसाई चोसला की ओर से रिश्वत की रकम लेने वाले बिचौलिए पीयूष रॉय और पोसाई चोसला की ओर से रिश्वत की रकम लेने वाले बिचौलिए पीयूष रॉय को अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद अदालत ने आरोपी को दो दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर सौंपने का आदेश दिया है डी.के.चोसला रुपये का भुगतान करने में कर लिया गया । जबकि मौके से एक अन्य व्यक्ति नीलेश भरवाड रिश्वत के जाल की गंध पाकर मौके से भाग गया।

इस मामले में, अहमदाबाद एसीबी फील्ड -3 (इंटे) विंग पीआई डीबी मेहता ने रिश्वत पहले और बाद में उद्देश्यपूर्ण संचार संवाद के बारे में स्पष्ट स्पष्टीकरण देना आवश्यक है। लोगों से रिश्वत ली गई है । आरोपी की सीडीआर प्राप्त करें और मोबाइल फोन नंबर से सत्यापित करें और कार्ड

सक्षम थे। 10 लाख की अवैध रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से की। दिलीप चोसला की ओर से रिश्वत की रकम लेने आए बिचौलिए पीयूष बालाभाई रॉय (नि. तुलसी रेजीडेंसी , मोटा वराछा) गिर गए। कामरेज तोलानाका द्वारा आयोजित रिश्वतखोरी के जाल में फंस गया और उसे गिरफ्तार मामले में आरोपी पीयूष रॉय को गिरफ्तार किया और सात दिन की रिमांड की मांग के साथ आज अदालत में पेश किया। शख्स दोपहिया वाहन छोड़कर भाग गया है। कर्मचारी की ओर से कार्यालय के अन्य अधिकारी पैसे का लेन-देन कर रहे हैं या नहीं, इसकी जांच की जाएगी। अपराध में आरोपी नीलेश की भूमिका की जांच और तलाश की जानी चाहिए। किसके नाम पर है ?आरोपी चोसला और नीलेश आश्रय स्थलों का पता लगाने और रिश्वत की रकम में किसी अन्य सरकारी कर्मचारी का हाथ है या नहीं इसकी जांच के लिए छापेमारी की जा रही है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और आरोपी पीयूष रॉय को दो दिन की रिमांड पर सौंपने का आदेश दिया.

पांडेसरा के कैलाशनगर की घटना

दहेज के लिए पत्नी को जिंदा जलाने वाला पति 15 साल से फरार,हैदराबाद से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पांडेसरा के कैलाश नगर में 2008 में दहेज के लिए पत्नी पर केरोसिन छिड़क कर हत्या के प्रयास के मामले में पिछले १५ साल से फरार चल रहे पति को हैदराबाद पुलिस ने सफलतापूर्वक पकड़ लिया है।

पांडेसरा पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर श्याम बहादुर इंद्र बहादुर राजपूत (ए.वी. 50 निवासी मियापुर, हाफिसगेट, प्रेमनगर, हैदराबाद, तेलंगाना और मूल निवासी छोटियारवासी, बहादुरगढ़, जिला फूलपुर, जिला प्रयागराज, यूपी) को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि साल 2008 में जब श्यामबहादुर पांडेसरा के कैलाश नगर में रह रहे थे, तब उनकी पत्नी दिव्या को दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया था और मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी गई थी.

पांडेसरा पुलिस ने इस घटना में दहेज निषेध अधिनियम और हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज किया और तब से श्यामबहादुर फरार है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में श्यामबहादुर अपनी पत्नी को जलाकर मारने की कोशिश के बाद पुलिस से बचने के लिए मुंबई चला गया। ज्ञान छुटक स्वतंत्र मजदूर के रूप में काम करने के बाद अपने गृहनगर चला गया लेकिन वापी में एक मजदूर के रूप में काम कर रहा था क्योंकि पुलिस जांच कर रही थी। इसके बाद वह वापी से हैदराबाद चले गए और एक मजदूर के रूप में काम किया।

पिपलोद में देर रात में गाड़ीयों में लगी आग, आग लगने से गाड़ियों मे नुकशान वाहन रहस्यमय ढंग से जल गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पिपलोद स्थित सुदा आवास में रविवार देर रात एक चार पहिया वाहन में रहस्यमय परिस्थितियों में आग लग गई। आग लगने के कारण आवास में रहने वाले लोग, जिनमें बच्चे भी शामिल थे, भाग गए और घबराए निवासियों को फायर ब्रिगेड की छत पर ले गए। फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार पिपलोद में बिग बाजार गली में भारतीय मैया स्कूल के पास पांच मंजिला सूडा आवास है।

हालांकि आवास के निवासियों ने पिछले रविवार की रात अपने वाहन भूतल पर पार्क किए थे, लेकिन देर रात रहस्यमय परिस्थितियों में दो मोपेड और दो बाइक में आग लग गई। जिससे दूसरी मंजिल पर अधिक मात्रा में धुआं फैल गया। इसलिए निवासी डर गए और भाग गए। कॉल मिलते ही फायर स्टेशन की तीन गाड़ियों के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ियां घटना स्थल पर पहुंच गईं और आवास में रहने वाले लोगों को आग से बचने के लिए ले गईं। जब ग्राउंड फ्लोर पर कुछ लोग घर से बाहर भागे. आग पर काबू पाने के बाद धुआं निकलना बंद होने के बाद दमकलकर्मियों ने छत पर मौजूद महिलाओं और बच्चों समेत लोगों को सुरक्षित नीचे उतारने का काम किया। जहां आग लगने से दो मोपेड व दो बाइक व दो मीटर जल गये। वहीं दोपहिया वाहन में आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है. लेकिन गाड़ियों में किसी ने आग लगा दी होगी? इस पर चर्चा हो रही थी. घटना के बाद जीईबी के अधिकारी और पुलिस भी मौके पर आ गई। फायर ऑफिसर मारुति सोनवणे ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे